सुविचार
अगर कुछ गलत हो रहा है तो उससे भागने की बजाए उसे ठीक करें तभी आगे बढ़ पाएंगे।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

यामी गौतम बड़े पर्दे पर वापसी करने के... 11

Ranchi ● Tuesday, 15 August 2023 ● Year : 01 ● Issue : 210 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

अवकाश की सूचना

स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को द फोटोन न्यूज अखबार कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा। शहर व देश-दुनिया की खबरों में अपडेट रहने के लिए जुड़े रहें www.thephotonnews.com पर

SHARE

संसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

100 साल में इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा वीकेंड

NEW DELHI : 11 से 13 अगस्त का वीकेंड इंडियन सिनेमा के लिए सबसे ऐतिहासिक रहा। पिछले 100 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ। 4 फिल्मों गदर-2, ओएमजी-2, जेलर और भोला शंकर ने मिलकर 400 करोड़ का बिजनेस किया। पहली बार एक वीकेंड में 2.10 करोड़ दर्शक थिएटर में फिल्म देखने पहुंचे। गदर-2, ओएमजी-2 हिंदी फिल्में हैं, वहीं रजनीकांत की जेलर तमिल और चिरंजीवी की भोलाशंकर तेलुगु फिल्म है। सोमवार को प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने बयान जारी कर ये कंफर्म किया कि पिछले 100 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ। एक वीकेंड में 2 करोड़ से ज्यादा दर्शकों के थिएटर पहुंचने का रिकॉर्ड भी 10 साल बाद बना है। बीता रविवार हिंदी सिनेमा के लिए अब तक का सबसे कमाऊ रविवार साबित हुआ है। गदर-2, ओएमजी-2 और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने मिलकर 72 करोड़ का बिजनेस किया है।

'पुलिस पदक' से सम्मानित हुए 954 पुलिसकर्मी

NEW DELHI : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 954 पुलिसकर्मियों को 'पुलिस पदक' से सम्मानित किया गया है। गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमजी) सीआरपीएफ के एक कर्मी को प्रदान किया गया। 229 कर्मियों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), 82 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम), सराहनीय सेवा के लिए 642 कर्मियों को पुलिस पदक (पीएम) से सम्मानित किया गया। पीपीएमजी और पीएमजी जीवन और सम्पत्ति बचाने और अपराध को रोकने व अपराधियों को गिरफ्तार करने में विशिष्ट वीरता के मानकों को ध्यान में रखते हुए दिया जाता है। 230 वीरता पुरस्कारों में से अधिकतर वामपंथी उग्रवाद वाले क्षेत्रों के 125, जम्मू कश्मीर क्षेत्र के 71 और पूर्वोत्तर क्षेत्र के 11 कर्मियों को उनकी बहादुरी और साहसिक कार्रवाई के लिए सम्मानित किया गया है।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिये को किया ढेर

CHANDIGARH : बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर एक ऑपरेशन के दौरान रविवार की रात पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर किया है। इस दौरान बीएसएफ ने करीब 14 राउंड फायरिंग की। जानकारी के अनुसार सामान्य तौर पर बीएसएफ के जवान पठानकोट में भारत-पाक सीमा पर कमलजीत पोस्ट के निकट गश्त पर थे। इसी दौरान बीएसएफ को सीमा पार से झाड़ियों में आहट सुनाई दी। सर्च लाइट से देखने पर पता चला कि एक व्यक्ति भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा है। बीएसएफ द्वारा कई बार चेतावनी देने के बावजूद जब वह नहीं रुका तो बीएसएफ ने फायरिंग शुरू कर दी। इससे घुसपैठिया वहीं पर ढेर हो गया।

हिमाचल में बारिश के बाद दरकते पहाड़ों में कई घर दबे, 48 की मौत

भूस्खलन से तबाही, बढ़ सकते हैं मौत के आंकड़े, 40 के फंसे होने की आशंका

AGENCY SHIMLA : हिमाचल प्रदेश में बारिश से हाहाकार मच गया है। राज्य में भूस्खलन और भारी बारिश की वजह से अब तक 48 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा खोज और बचाव अभियान भी चल रहा है। शिमला के समर हिल इलाके में भूस्खलन से सोमवार को यहां भयानक हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। एनडीआरएफ के अधिकारी नफीस खान ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'ऐसी आशंका है कि यहां 40 लोग फंस गए हैं। हमारी एनडीआरएफ की 14 टीमें यहां पहुंच चुकी हैं। एसडीआरएफ की टीम भी यहां मौजूद है और यहां काफी मलबा जमा है।' डीएसपी मुख्यालय, शिमला, विजय रघुवंशी ने बताया कि हादसे वाली जगह पर काम कर पाना काफी मुश्किल है। लोग सहयोग कर रहे हैं। अभी हमें यह नहीं पता कि कितने लोग यहां मौजूद थे। एसीडीएम, एसपी और एसडीआरएफ सभी यहां मौजूद हैं। बारिश के वजह से परेशानी हो रही है लेकिन हम रेस्क्यू ऑपरेशन पर ध्यान दे रहे हैं। शिव मंदिर में हुए हादसे के बाद खुद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी आलाधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे थे। राज्य में कई जगहों पर बारिश और बाढ़ से स्थिति गंभीर बनती जा रही है। बाढ़ से बने हालात को देखते हुए राज्य में 15 अगस्त को लेकर होने वाले सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर दिये गये हैं। इस दिन सादे समारोह आयोजित किये जाएंगे। 15 अगस्त से एक दिन पहले हिमाचल में जल प्रलय जैसी स्थिति बन गई है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से बातचीत कर उन्हें मदद का भरोसा दिलाया है। इसके अलावा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर शिमला में हुई हादसे में मृतकों के प्रति गहरी संवेदना जताई है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि समर हिल इलाके में एक शिव मंदिर और फागली इलाके में एक अन्य स्थान पर भूस्खलन हुआ और मलबे से नौ शवों को बाहर निकाला गया है। फागली इलाके में कई मकान मिट्टी में धंस गए। अधिकारियों के अनुसार, कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोलन जिले के जादोन गांव में रविवार रात को बादल फटने से दो मकान बह गए। हादसे में छह लोगों को बचा लिया गया जबकि सात अन्य की मौत हो गयी। मुख्यमंत्री ने राज्य में बारिश से बनी स्थिति को देखते हुए लोगों से अपील की है कि वो बेवजह घरों से ना निकलें।

समरहिल के शिव बावड़ी मंदिर में भूस्खलन के बाद राहत बचाव कार्य में जुटी टीम ● एजेंसी

येलो अलर्ट जारी

मंडी और कांगड़ा में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। इस प्राकृतिक आपदा के बीच राज्य में 752 से ज्यादा सड़कें, 4697 बिजली ट्रांसफार्मरों औ? 902 जलापूर्ति परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है। मौमसन विभाग ने राज्य में येलो अलर्ट जारी किया है। शिमला के अलावा चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, सोलन, हमीरपुर और सिरमौर में बारिश को लेकर अलर्ट जारी हुआ है।

● संबंधित खबर पेज 2 पर भी

लैंड स्कैम : सीएम ने ईडी से 7 दिन का मांगा समय

एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हेमंत सोरेन

ईडी ऑफिस के बाहर सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस बल ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जमीन घोटाले की जांच कर रही है। इसको लेकर बीते आठ अगस्त को ईडी ने राज्य के सीएम हेमंत सोरेन को समन भेजकर पूछताछ के लिए 14 अगस्त को तलब किया था। लेकिन सोमवार को सीएम ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए। उन्होंने अपनी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए 7 दिनों का समय मांगा है। बता दें कि ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को आरसी 25/23 केस ईसीआईआर में समन किया था। बता दें कि इससे पहले 17 नवंबर 2022 को ईडी ने अवैध खनन ममाले में सीएम हेमंत सोरेन से करीब 10 घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी ने इस पूछताछ में पत्थर खनन से जुड़े कई सवाल सीएम हेमंत सोरेन से किये थे। साथ ही हेमंत सोरेन से संपत्ति की पूरी जानकारी मांगी थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी को एक खुली चिट्ठी लिखकर चुनौती दी थी। ईडी ने जमीन घोटाले की जांच रांची के तत्कालीन आयुक्त नितिन मदन कुलकर्णी की रिपोर्ट के आधार पर शुरू कर दी थी। सेना के कब्जे वाली जमीन के सिलसिले में जांच कर आयुक्त ने रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी।

ईडी ऑफिस के बाहर बढ़ी हलचल, बढ़ायी गयी सुरक्षा व्यवस्था

RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रांची जोनल ऑफिस के पास सोमवार की सुबह हलचल बढ़ गयी है। ईडी ऑफिस के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ायी गयी है। यहां बड़े पैमाने पर पुलिस बल की तैनाती है। इसके अलावा अग्निशमन वाहन को भी तैनात किया गया है। वहीं मौके पर पुलिस के अधिकारी भी मौजूद हैं।

गुमला में माहौल बिगाड़ने की कोशिश शिव मंदिर में फेंका आपत्तिजनक सामान

दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आक्रोशितों ने किया सड़क जाम

CRIME REPORTER GUMLA : गुमला के एक शिव मंदिर में असामाजिक तत्वों ने आपत्तिजनक सामान फेंक दिया, घटना शहर से 10 किमी दूर लोहरदगा जाने वाले मार्ग पर स्थित प्रस्तावित प्रखंड टोटो की है। मंदिर में आपत्तिजनक वस्तु फेंके जाने की घटना से टोटो के लोगों में आक्रोश है। दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। घटना की सूचना पर गुमला के कई अधिकारी पुलिस फोर्स के साथ गांव पहुंचे। बताया जा रहा है कि थाना प्रभारी मनोज कुमार ने मंदिर में फेंके गये आपत्तिजनक वस्तु को खुद साफ किया और मंदिर को धोया, ताकि लोगों में तनाव न हो। परंतु आक्रोशित लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गुमला और रांची मार्ग को जाम कर दिया है। पुलिस के खिलाफ लोग नारेबाजी कर रहे हैं। सड़क के बीच में बेरिकेडिंग लगा दी गयी है। इधर गुमला थाना प्रभारी मनोज कुमार लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन आक्रोशित लोग पुलिस की बात नहीं सुन रहे हैं और सड़क पर खड़ा होकर लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। टोटो की घटना के बाद सोमवार को गुमला में कई कार्यक्रम स्थगित कर दिये गये है। सुबह 11:00 बजे से एसडीओ रवि जैन की प्रेस कॉन्फ्रेंस थी, उसे भी स्थगित कर दोपहर के 2:00 बजे कर दिया गया। इधर जाम में दर्जनों वाहन फंस गई है। सबसे ज्यादा परेशानी बस में सफर कर रहे लोगों को हो रही है। वहीं, 15 अगस्त की तैयारी को लेकर लगे स्कूली बच्चों को भी स्कूल आने जाने में दिक्कत हुई। स्थानीय लोगों ने इस मामले में एक लिखित आवेदन थाना प्रभारी को सौंपा।

सड़क जाम कर हंगामा करते आक्रोशित लोग ● फोटोन न्यूज

सोमवारी पर मंदिर पहुंचे थे श्रद्धालू

मंदिर में आपत्तिजनक वस्तु फेंके जाने की घटना रविवार रात की बताई जा रही है। सुबह सावन सोमवारी पर जब लोग भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे तो मंदिर परिसर में आपत्तिजनक सामान देख आक्रोशित हो गए। देखते ही देखते मंदिर में सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना गुमला थाना प्रभारी मनोज कुमार को मिली। जिसके बाद वे बिना देर किए पुलिस फोर्स के साथ टोटो पहुंच गए है। मामले की जानकारी लेते हुए उन्होंने लोगों को समझाया। थानेदार ने कहा कि जल्द आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन लोग इस आश्वासन को मानने को तैयार नहीं हुए और तत्काल में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।

अपराधियों की गोली से घायल बीजेपी नेता राजेंद्र साहू की मौत, समर्थकों का हंगामा

मेडिका में चल रहा था इलाज, सड़क पर उतरे राजेंद्र के समर्थक, स्कॉर्पियो फूंकी

CRIME REPORTER RANCHI : अपराधियों की गोली से घायल बीजेपी नेता सह कोयला कारोबारी राजेन्द्र साहू की इलाज के दौरान मेडिका अस्पताल सोमवार की सुबह करीब 3 बजे मौत हो गई। लातेहार जिले के बालूमाथ में बीते 12 अगस्त को अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी थी। छाती, बांह और जांघ में राजेंद्र साहू को गोली लगी थी। इसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गंभीर स्थिति में राजेन्द्र साहू को रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस अपराधियों की तलाश में जगह- जगह छापेमारी कर रही है। हालांकि घटना के दो दिन बाद भी पुलिस अपराधियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। घटना लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के झरिवा टोला में हुई थी। राजेंद्र साहू अपने दफ्तर से घर तेली टोला लौट रहे थे। उनका दफ्तर पुराना कस्तूरबा विद्यालय के पास है। रास्ते में कुछ लोगों ने उन्हें रोका और उन पर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनते ही लोग घटना स्थल की तरफ दौड़े तो अपराधी फरार हो गये।

प्रदर्शनकारियों द्वारा फूंकी गई स्कॉर्पियों की बुझाते लोग ● फोटोन न्यूज

सड़क पर उतरे राजेंद्र के समर्थक, स्कॉर्पियो फूंका

राजेंद्र साहू की मौत की खबर सुनते ही समर्थक उग्र हो गए। सोमवार की सुबह सड़क पर उतर कर सैकड़ों समर्थकों ने रोड को जाम कर दिया साथ ही बालूमाथ स्थित पचपेड़ी के संतोष उरांव के घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो गाड़ी को आग हवाले कर दिया। रविवार को बंद रहा बालूमाथ घटना के विरोध में रविवार को बालूमाथ बंद रहा। बंद का आमलोगों ने भी समर्थन किया। बालूमाथ की सभी दुकानें बंद रही। लोग अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

अपराधी अमन साहू के गिरोह के निशाने पर थे राजेंद्र साहू

जेल में बंद अपराधी अमन साहू ने मयंक सिंह को लेकर बड़ा खुलासा किया था। बीते दिनों अमन साहू को लातेहार पुलिस ने रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी। इस दौरान उसने कई अहम खुलासा किया था। अमन साहू ने कहा था, कि राजेंद्र साहू, विकास कुमार तिवारी, रंजीत गुप्ता, अब्दुला अंसारी, लवलेश्वर महतो, सुमित चटर्जी, विकास तिवारी, मनोज यादव, आरकेटीसी कंपनी और ऋत्विक कंपनी के अधिकारी उसके निशाने पर है।

चतरा लोकसभा से सांसद का चुनाव लड़ चुके हैं राजेंद्र

पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद साहू चतरा लोकसभा क्षेत्र से सांसद का चुनाव लड़ चुके हैं। इसके अलावा जिलेभर में सामाजिक कार्यों में वे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे।

दो साल पहले भी राजेंद्र पर हुई थी गोलीबारी

राजेंद्र साहू पर साल 2021 में भी गोलीबारी हुई थी। अपाची बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने चेन्नई राधा कंपनी के क्रशर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी। इसमें क्रशर के एक कर्मी संदीप कुमार गुप्ता और लोडर ऑपरेटर पप्पू केसरी को गोली लग गई थी। राजेंद्र साहू चेन्नई राधा कंपनी जो मगध कोलियरी से कोयला उठाव कर क्रशर करने का कार्य करती है, उसके संचालक हैं। राजेंद्र से पूर्व में भी रंगदारी मांगी गई थी। उन्हें जान से मारने की धमकी भी मिली थी, जिसकी सूचना साहू ने पुलिस को दी थी।

अब चंद्रमा से सबसे कम दूरी केवल 150 किलोमीटर, 23 अगस्त को लैंडिंग होगी

चंदा मामा के और करीब पहुंचा CHANDRAYAN-3

AGENCY BENGALURU : इसरो ने सोमवार को तीसरी बार चंद्रयान-3 की ऑर्बिट घटाई। अब चंद्रयान 150 किलोमीटर*177 किलोमीटरे की ऑर्बिट में आ गया है। यानी चंद्रयान-3 चंद्रमा की ऐसी कक्षा में घूम रहा है, जिसमें उसकी चांद से सबसे कम दूरी 150 डे और सबसे ज्यादा दूरी 177 किलोमीटर है। ऑर्बिट घटाने के लिए यान के इंजन कुछ देर चालू किए गए। अब चंद्रयान का ऑर्बिट सर्कुलराइजेशन फेज शुरू हो गया है। यानी चंद्रयान अंडाकार कक्षा से गोलाकार कक्षा में आना शुरू हो गया है। इसरो अब 16 अगस्त को सुबह 08:30 बजे अगला ऑपरेशन परफॉर्म करेगा। इसमें इसरो के बेंगलुरु स्थित हेडक्वार्टर से वैज्ञानिक चंद्रयान के थ्रस्टर फायर कर उसे 100 किलोमीटर*100 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में लाएंगे। 17 अगस्त को चंद्रयान के के लिए काफी अहम दिन है। इस दिन इसरो चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर से अलग करेगा। फिर 23 अगस्त को शाम करीब 05:30 बजे लैंडर चांद की सतह पर लैंड करेगा। इससे पहले 9 अगस्त को चंद्रयान की ऑर्बिट घटाई गई थी, जिसके बाद ये 174 किलोमीटर*1437 किलोमीटर की ऑर्बिट में आ गया था। 22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7:15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके, इसके लिए उसकी स्पीड कम की गई थी। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए।

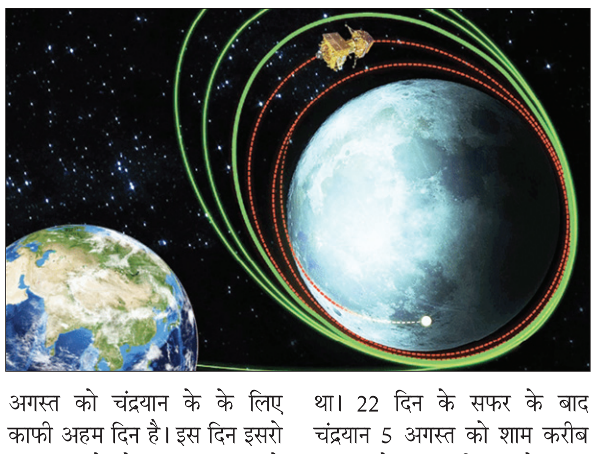

चंद्रमा से दोस्ती के बाद भारत का सूर्य नमस्कार

NEW DELHI : मिशन चंद्रयान के बाद भारत अब सूर्य नमस्कार करने की तैयारी में है। सूरज के रहस्य से पर्दा उठाने के लिए इसरो ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में सूरज पर स्टडी करने वाले सैटेलाइट की पहली तस्वीर जारी की गई है। भारत का सूरज की तरफ यह पहला कदम होगा। यह सैटेलाइट प्रक्षेपण के लिए श्रीहरिकोटा पहुंच चुका है। इसरो ने सूरज की स्टडी करने वाले इस मिशन को आदित्य-एल-1 नाम दिया गया है। गौरतलब है कि सूरज हमारा सबसे करीबी और सोलर सिस्टम का सबसे बड़ा ऑब्जेक्ट है। सूरज की अनुमानित आयु करीब 4.5 बिलियन साल है। यह हाइड्रोजन और हिलियम गैसों का गर्म दहकता हुआ गोला है। धरती से सूरज की दूरी करीब 150 मिलियन किलोमीटर होने का अनुमान है और यह हमारे सौरमंडल के लिए ऊर्जा का स्त्रोत है। बिना सूरज के धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बता दें कि चंद्रयान-3 के 23 अगस्त को चंद्रमा तक पहुंचने की संभावना है। इसके कुछ हफ्तों के अंदर ही मिशन सूरज शुरू होगा। इसके लिए इंडियन स्पेस एजेंसी करीब 1500 किलोग्राम वजनी रोबोटिक सैटेलाइट लांच करने जा रही है।

फांसी के सजावार को होगी 25 साल की जेल

नाबालिग से दुष्कर्म-हत्या मामले में आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : हाईकोर्ट ने फांसी की सजा के खिलाफ दाखिल प्रार्थी डब्लू मोदी की क्रिमिनल अपील एवं राज्य सरकार की ओर से फांसी की सजा को कंफर्म करने को लेकर दाखिल याचिका पर अपना फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अभियुक्त डब्लू मोदी की फांसी की सजा को 25 साल की कैद में तब्दील कर दिया। दरअसल, नाबालिग के साथ रेप एवं हत्या मामले में अभियुक्त डब्लू मोदी को धनबाद की पोस्को की अदालत ने वर्ष 2022 में फांसी की सजा सुनाई थी। बता दे कि अभियुक्त पर आरोप है कि उसने 8 वर्षीय बच्ची को घर से पार्टी के बहाने घुमाने ले गया था। इसी दौरान उसने बच्ची के साथ रेप किया और उसकी हत्या कर दी। साथ ही लाश को छिपा दिया था। मामले को लेकर धनबाद के पुटकी थाना में कांड संख्या 42/ 2018 दर्ज की गई थी।

ब्रह्मदेव केस की फिर से करें जांच, परिजनों को पांच लाख मुआवजा दें

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने लातेहार में हुई पुलिस मुठभेड़ में मारे गये ब्रह्मदेव सिंह मामले की दोबारा जांच करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने वरीय पुलिस पदाधिकारियों को जांच के लिए एक नयी टीम गठित करने को कहा है। जो तीन माह में जांच पूरी कर अदालत को सूचित करेंगे। कोर्ट ने नयी जांच टीम में पूर्व के अधिकारियों को शामिल नहीं करने का निर्देश दिया है।

BRIEF NEWS

विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस पर त्रासदी झेलने वाली 75 महान हस्तियां की गई सम्मानित

NEW DELHI: आवास एवं शहरी मामलों तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज यहां संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस पर विभाजन की त्रासदी झेलने वाली 75 महान हस्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने संसद सदस्य राकेश सिन्हा के साथ विभाजन की विभीषिका से जुड़ी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और 1947 के विभाजन से बचे लोगों और उनके परिजनों को संबोधित किया। दुखद विभाजन अपनों को गंवाने और विस्थापन की अकल्पनीय पीड़ा का सम्मान करते हुए मंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की गलत नीतियों के कारण भारत का विभाजन हुआ। उन्होंने आगे कहा कि उनके माता-पिता इस सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी के कहर के शिकार थे। 1952 में अपने जन्म के बाद से वह यह सुनते हुए बड़े हुए कि कैसे उनके पिता चमत्कारिक ढंग से नरसंहार से बच निकले और लाहौर से आखिरी फ्रंटियर मेल में सवार हुए।

पंजाब सरकार ने शहीद स्माकर पट्टी से हटाया प्रधानमंत्री मोदी का नाम

CHANDIGARH: पंजाब में शहीद स्मारकों से प्रधानमंत्री के नाम की पट्टिका हटाए जाने को लेकर नया विवाद पैदा हो गया है। पंजाब सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले एक आदेश जारी करके प्रदेश के शहीद स्मारकों पर लिखे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम की पट्टिका को हटवा दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सरकार की इस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि मान सरकार ने द्वेष भावना से काम करते हुए शहीदों के स्मारकों पर लगे शिलापट्टों से प्रधानमंत्री का नाम हटाकर घटिया राजनीति का प्रमाण दिया है। जाखड़ ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से पंजाब में गलत संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। उधर, आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि शहीद स्मारकों पर केवल शहीदों के नाम ही होने चाहिए।

उत्तराखण्ड में गंगा, अलकनंदा, मंदाकिनी सहित अन्य नदियां खतरे के निशान के ऊपर

DEHRADUN: राज्य में लगातार हो रही बारिश से गंगा, अलकनंदा, मंदाकिनी नदी सहित अन्य नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। राज्य के हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी और देहरादून जिलाधिकारियों को अलर्ट रहने के साथ ही हर घंटे में स्थिति को लेकर रिपोर्ट देने को कहा गया है। राज्य आपदा परिचालन केंद्र की ओर से चार जिले हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी और देहरादून जिले के जिलाधिकारियों को नदियों के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए सतर्क और चौकन्ना रहने को कहा गया है। प्रदेश में अलकनंदा, मंदाकिनी नदी (रुद्रप्रयाग), अलकनंदा नदी (श्रीनगर) गंगा नदी (देवप्रयाग) का जल स्तर खतरे के स्तर से ऊपर प्रवाहित हो रहा है। सौंग नदी देहरादून का जल स्तर अधिकतम बाढ़ स्तर से भी ऊपर प्रवाहित हो रहा है। जिलाधिकारी को अपने-अपने जनपद में आम जनों के बचाव के लिए सभी इकाइयों को सक्रिय करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। साथ ही प्रत्येक घंटे की सूचना राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून को जानकारी देने को कहा गया है। केन्द्रीय जल आयोग के लिंक **http//ffs.india-water.gov.in** से जलस्तर के खतरे की स्थिति की सत्त मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए। समस्त संबंधित अधिकारी किसी भी प्रकार की आपदा की सूचना राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के फोन नम्बरों 0135-2710335, 2664314, 2664315, 2664316, फैक्स नं. 0135-2710334, 2664317. टोल फ्री नं. 1070, 9058441404 और 8218867005 पर तत्काल देना सुनिश्चित करेंगे।

राज्यपाल ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

PHOTON NEWS RANCHI: राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत सोमवार को राज भवन के मुख्य द्वार से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रांची विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), नेहरू युवा केन्द्र (एनवाईकेएस) की ओर से "तिरंगा यात्रा" निकाली गई है। इसमें बड़ी संख्या में रांची विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केन्द्र के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मौके पर राज्यपाल ने कहा कि यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह युवाओं के दिलों में देशभक्ति की भावना का और संचार करेगा, जो हमारे देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह हमारी एकता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि भारत एक है, भारत हमेशा एक रहेगा। यह नारा लोगों को और अधिक एकजुट करेगा। हमारे देश से ही हमारी पहचान है। आज हमारा देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में झारखंड के जनजातीय समुदाय का योगदान अतुलनीय है।

भाजपा ने केरल, उत्तराखंड और उप्र के विधान सभा उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

NEW DELHI: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केन्द्रीय चुनाव समिति ने सोमवार को केरल, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के आगामी विधान सभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने तीन विधान सभा सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की। केरल की पुथुप्पल्ली विधानसभा सीट से लिजिनलाल जी को उम्मीदवार बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के घोसी सीट से दारा सिंह चौहान और उत्तराखंड

बागेश्वर सीट से पार्वती दास को उम्मीदवार बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि इन राज्यों में इन सीटों पर 5 सितंबर को उपचुनाव होंगे।

हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा और भूस्खलन से जानमाल को भारी नुकसान, बचाव में जुटी NDRF की टीम

बारिश ने मचाया कोहराम, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जताया दुख

AGENCY NEW DELHI

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर भारी वर्षा और भूस्खलन से हुई जनहानि पर दुख प्रकट किया है।

शाह ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि हिमाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर भारी वर्षा और भूस्खलन से हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें स्थानीय प्रशासन के साथ राहत व बचाव कार्यों में लगी हैं। शाह ने कहा कि वह शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ईश्वर उन्हें यह दुःख सहने की शक्ति दें। वह घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

उल्लेखनीय है कि राजधानी शिमला में रविवार की रात बारिश ने कोहराम मचा दिया। शहर में कई स्थानों पर भूस्खलन से 21 लोगों की मौत का मामला सामने आया है। कई स्थानों पर रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। अभी कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

हिप्र में बादल फटने से हुए नुकसान पर जेपी नड्डा ने ली जानकारी, मुख्यमंत्री से की बात

NEW DELHI: भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और हिमाचल प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष राजीव बिन्दल से बात कर प्रदेश में बादल फटने और भूस्खलन से हुए नुकसान की जानकारी ली है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश को हर तरह से पूरा सहयोग करने का भी आश्वासन दिया है। इसके साथ ही जेपी नड्डा ने इस आपदा के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला स्थित गांव जादोन में बादल फटने व शिमला में भारी बारिश के कारण भूस्खलन से कई लोगों के हताहत होने का समाचार अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, ईश्वर सभी को संबल प्रदान करें। आपदा की इस घड़ी में भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता देवभूमि के लोगों की सेवा के लिए समर्पित है। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत शाह ने फहराया तिरंगा

NEW DELHI: केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सोमवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर तिरंगा फहराया और तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी भी साझा की। शाह ने ट्वीट कर कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले आकाश में फहराते करोड़ों तिरंगे भारत को फिर से महान बनाने की देश की संयुक्त इच्छाशक्ति का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुरू किया गया 'हर घर तिरंगा' अभियान देशभर में चल रहा है। उन्होंने भारत के सभी नागरिकों से निवेदन करते हुए कहा कि वे भी अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं और इसे हर घर तिरंगा डॉट कॉम पर अपलोड करें। शाह ने सभी से अपने साथी नागरिकों को भी इसके लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया है।

'राक्षस' प्रवृत्ति वाले कांग्रेस नेता के बयान पर भाजपा ने किया पलटवार, लोकतंत्र में लोग भगवान के समान

AGENCY NEW DELHI

कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला के राक्षस प्रवृत्ति वाले बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए जनता को भगवान के समान बताया । सोमवार को भाजपा नेता गौरव भाटिया ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि कांग्रेस के इस बयान से पता चलता है कि 'घमंडिया' अब किस तरह भारत में जनता का अपमान कर रहा है।

भारत में 'राक्षस' प्रवृत्ति की मानसिकता 'घमंडिया' के अंदर ही बसती है। यह चीजें केवल राहुल गांधी के निदेशों के तहत

हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने सदन के पटल पर कहा, 'भारत माता की हत्या हो गई है।'

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का सम्मान किया जाना चाहिए चाहे कुछ भी हो, वे जिस पार्टी को वोट देते हों। संविधान के अनुसार यह उनका अधिकार है। चुनाव नजदीक आ रहे हैं। जनता उन्हें ऐसा सबक सिखाएगी कि वे समझ जाएंगे कि भारत के मजबूत लोकतंत्र में लोग भगवान के समान हैं और जो 'राक्षसी' मानसिकता रखते हैं, भारत की राजनीति में उन्हें रहने का कोई अधिकार नहीं है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के कैथल में कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने सभा में कहा कि जो लोग भाजपा को वोट देते हैं और भाजपा के समर्थक हैं, वे 'राक्षस' प्रवृत्ति के हैं। मैं महाभारत की इस भूमि से श्राप देता हूं।

वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी माधवन पिल्लई ने दिया सर्वधर्म एकता का संदेश

AGENCY NEW DELHI

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय में एक प्रदर्शनी लगाकर स्मृति दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं आजाद हिन्द फौज के सिपाही रहे माधवन पिल्लई ने सर्वधर्म एकता का संदेश दिया। उन्होंने अपने संक्षिप्त संबोधन में बताया कि आईएनए में हिन्दू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी मिल कर काम करते थे और देश की आजादी के लिए मिलकर जंग

लड़ी। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हम सब मिलकर उसी तरह से देश को सर्वधर्म एकता के साथ समूहिक रूप से आगे बढ़ाएं।

इस अवसर पर विभाजन की त्रासदी से जुड़े चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। दिल्ली विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो. पायल मगो ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि विभाजन के उस दौर में करीब तीन करोड़ लोग रावी के उस देश को छोड़ कर इधर आए थे। उन्होंने अपने परिवार की दर्द भरी कहानी के माध्यम से रोंगटे खड़े कर देने वाले वृतांत का भी जिक्र किया, जब उनके पिता अपनी माता और बहनों के आत्मदाह के पश्चात अकेले उस क्षेत्र से भारत आए थे। प्रो. मगो ने कहा कि लोग गुड्डे और गुड़ियों की कहानियां सुन कर बड़े होते हैं जबकि वो स्वयं अपने बुजुर्गों से विभाजन की कहानियां सुनकर बड़ी हुई हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी से आह्वान किया कि अब हमें क्षेत्रवाद व भाषावाद से ऊपर उठकर देश के लिए काम करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि माधवन पिल्लई का जन्म 1925 में बर्मा में हुआ। इन्होंने 18 वर्ष की उम्र में, 1943 में आजाद हिन्द फौज को ज्वाइन किया और आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़ कार भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से मीटिंग को करेंगे संबोधित, तैयारी अंतिम चरण में

G20: गांधीनगर में होगी हेल्थ ट्रैक मीटिंग, आएंगे सदस्य देशों के मंत्री

- गांधीनगर में 17 से 19 अगस्त को जी-20 हेल्थ ट्रैक मीटिंग

AGENCY GANDHINAGAR: गुजरात ने वैश्विक नेताओं के बीच आपसी सहयोग को लेकर चचाओं को प्रोत्साहित कर पर्यटन, प्राकृतिक आपदा को कम करने, पर्यावरण व क्लाइमेंट सस्टेनिबिलिटी जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जी-20 कार्यकारी समूह की बैठकों का आयोजन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को जी-20 की अध्यक्षता हासिल हुई है जिसमें भारत महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों के समाधान में अहम रोल अदा कर रहा है। जी-20 शेरपा ट्रैक के तहत देश भर में कई कार्यकारी समूहों की बैठक आयोजित की गई है।

राज्य के गांधीनगर में 17 से 19 अगस्त को हेल्थ ट्रैक मीटिंग का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना और व्यावहारिक समाधान के प्रति वचनबद्धता दिखती है। इसमें 4 स्वास्थ्य कार्यकारी समूह के डिप्टी और स्वास्थ्य कार्यकारी समूह के

मंत्रियों की बैठक आयोजित होगी। इसके अलावा 19 अगस्त को गांधीनगर में जी-20 सदस्य देशों के स्वास्थ्य और वित्त मंत्रियों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी।

इन कार्यक्रमों में विभिन्न देशों के महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे, जिनमें श्रीलंका के स्वदेशी चिकित्सा राज्य मंत्री जेए सिसिरा कुमारा जयकोडी, डॉ. कार्ला विज्जोटी (अर्जेंटीना), डेचेन वांग्मो (भूटान), बौनफेंग फाउमालयसिथ (लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक), मोहन बहादुर बसनेट (नेपाल), डॉ. ओडेत मारिया फ्रेइटास बेलो (तिमोर-लेस्ते) आदि शामिल हैं। चौथे स्वास्थ्य कार्यकारी समूह (डिप्टियों) की बैठक 17 अगस्त को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रासायन-खाद विभाग के मंत्री डॉ मनसुख मांडविया और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव सुधांशु पंत की उपस्थिति में गांधीनगर में शुरू होगी। इस दौरान जी-20 इंडिया हेल्थ ट्रैक फोकल प्वॉइंट, भारत सरकार की ओर से आउटकम डॉक्यूमेंट का ओवरव्यू भी किया जाएगा। दिनभर चलने वाले इस इवेंट में भारत के जी-20 प्रेसिडेंसी हेल्थ ट्रैक फोकल प्वॉइंट के नेतृत्व में ड्राफ्ट डिकलेरेशन पर लाइव नेगोशिएशन्स की ओर से आउटकम डॉक्युमेंट को अंतिम रूप देने पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। यह आयोजन दो सत्रों में विभाजित होगा। समापन के बाद डब्ल्यूएचओ ट्रेडिशनल मेडिसिन ग्लोबल समिट, वन अर्थ वन हेल्थ एडवान्टेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 और इंडिया मेडटेक एक्स्पो 2023 जैसी विविध थीम पर एक एक्जिबिशन टूर का आयोजन किया जाएगा। डिप्टियों और अन्य प्रतिनिधियों के लिए वर्किंग डिनर यानी रात्रिभोज भी होगा। मंत्रिमंडल के प्रतिनिधियों का रात्रि भोजन में सांस्कृतिक संध्या के साथ स्वागत किया जाएगा।

पीएम करेंगे संबोधित

हेल्थ ट्रैक के दूसरे चरण में 18 अगस्त से स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक शुरू होगी। उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से संबोधन देंगे। इसके अलावा केन्द्र सरकार के मंत्री डॉ मनसुख मांडविया, सचिव सुधांशु पंत उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। बैठक का पहला दिन आधिकारिक तौर पर इंडोनेशिया के स्वास्थ्य मंत्री और ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री सहित ट्रोइका की शुरूआती टिप्पणियों के साथ शुरू होगा। इसके बाद पहला सत्र स्वास्थ्य आपातकालीन रोकथाम, तैयारी और फीडबैक (एक स्वास्थ्य और एएमआर पर ध्यान केंद्रित) पर आयोजित किया जाएगा। पहले सत्र में बैठक के गणमान्य लोग 'प्राथमिकता एक पर प्रगति और आगे का रास्ता' पर चर्चा करेंगे जिसमें ट्रोइका, सदस्य देश, आमंत्रित देश और अंतरराष्ट्रीय संगठन भाग लेंगे। 'डब्ल्यूएचओ ट्रेडिशनल मेडिसिन ग्लोबल समिट के साथ पैनल डिस्कशन' पर इंटरफेज सत्र 1 और 'वन अर्थ वन हेल्थ एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 के साथ पैनल डिस्कशन' पर इंटरफेज सत्र 2 का आयोजन किया गया है। अगले दिन यानी 19 अगस्त को सुबह ध्यान और योग सत्र का आयोजन किया गया है।

प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे बड़े क्विज 'जिज्ञासा' के विजेताओं को बधाई दी

NEW DELHI: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दुनिया के सबसे बड़े क्विज 'जिज्ञासा' के विजेताओं को बधाई दी है। यह प्रतियोगिता भारत की प्राचीन सभ्यता के मूल्यों, उसकी संस्कृतियों के विकास, समृद्ध अतीत और लोकाचार के गौरवशाली समागम के बारे में 17 भाषाओं में 10 लाख से अधिक बार खेली गई। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के एक्स (पुराना नाम ट्वीट) संदेश को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, 'जिज्ञासा के सभी विजेताओं को बधाई। यह एक व्यापक प्रयास था जिसका उद्देश्य युवाओं के बीच हमारे इतिहास और संस्कृति के बारे में ज्ञान बढ़ाना था। इस क्विज के लिए ऐसी अभूतपूर्व प्रतिक्रिया देखकर खुशी हुई।'

ARMS एक्ट में दाहू यादव, सुनील यादव, आकाश यादव समेत 7 आरोपियों को मिली अग्रिम जमानत

PHOTON NEWS RANCHI : आर्म्स एक्ट एवं हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी दाहू यादव उर्फ राजेश यादव, उसके भाई सुनील यादव, बच्चू यादव के पुत्र आकाश कुमार यादव समेत 7 आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति राजेश कुमार की कोर्ट ने इन सभी आरोपियों को अग्रिम जमानत प्रदान कर दी। कोर्ट ने जिन्हें अग्रिम जमानत प्रदान की है उनमें दाहू यादव, सुनील यादव, भीम यादव, आकाश कुमार यादव, भरर्तुल चौधरी, मुनीम यादव, संजय यादव शामिल है। प्रार्थी दाहू यादव, सुनील यादव एवं मुनीम यादव की ओर से अधिवक्ता सब्यसाची ने पैरवी की। वहीं आकाश कुमार यादव, भीम यादव, भरर्तुल चौधरी, संजय यादव की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने पैरवी की।

JSCA में अमिताभ चौधरी की प्रतिमा लगाने का बेटे ने किया विरोध

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की वर्तमान कमिटी और जेएससीए के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत अमिताभ चौधरी के परिजन अमिताभ चौधरी की स्वर्ण जड़ित प्रतिमा लगाने के प्रस्ताव आने से पहले आमने-सामने दिख रहे हैं। अमिताभ चौधरी के बेटे अभिषेक चौधरी ने कड़ा विरोध जाहिर करते हुए जेएससीए के सचिव देबाशीष चक्रवर्ती को अपने वकील के माध्यम से लीगल नोटिस भेजा है। अभिषेक चौधरी ने अपने लीगल नोटिस में स्वर्ण जड़ित प्रतिमा लगाए जाने के प्रस्ताव को दिवंगत अमिताभ चौधरी के परिवार एवं परिजनों ने उनके जीवन मूल्यों, आदर्शों और संघर्षों पर कड़ा प्रहार बताया है। परिवार ने जेएससीए के सचिव को कानूनी नोटिस भेजकर गंभीर आपत्ति जताई है। साथ ही कुछ आवश्यक जानकारियां भी मांगी है।

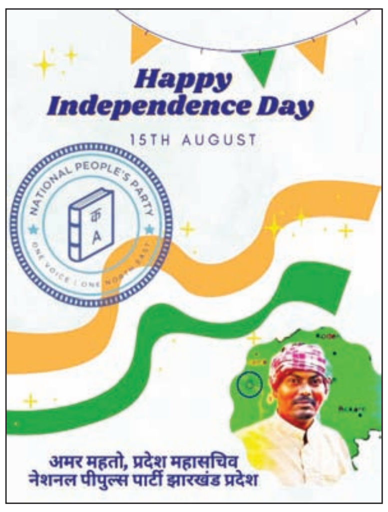

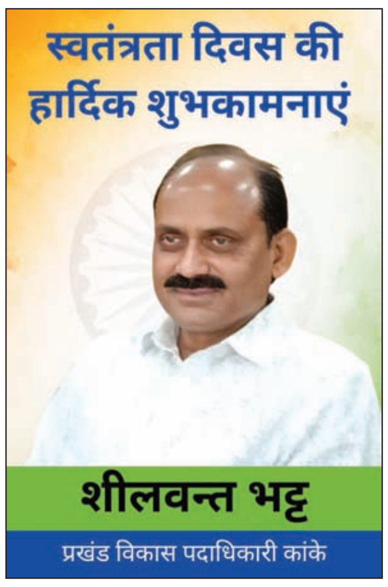

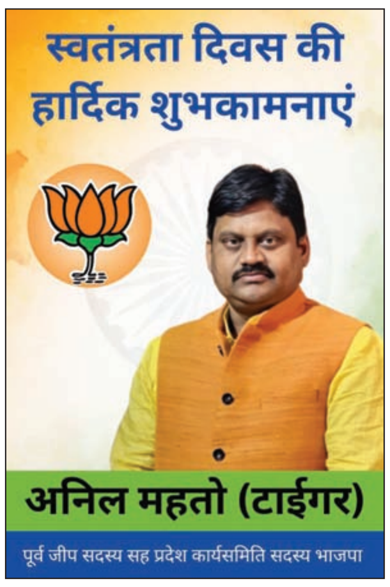

बीएयू के छात्रों ने निकाली हर घर तिरंगा शोभा यात्रा कुलपति भी हुए शामिल

RANCHI : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना कोषांग के द्वारा सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान–2023 के तहत हर घर तिरंगा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह ने अपने हाथों में तिरंगा ध्वज थामकर हर घर तिरंगाझ्र2 ।0 अभियान का शुभारंभ किया और छात्रों में अभियान के लिए जोश भरा। यह शोभा यात्रा कृषि संकाय स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा स्थल से विश्वविद्यालय मुख्यालय तक निकाली गयी।

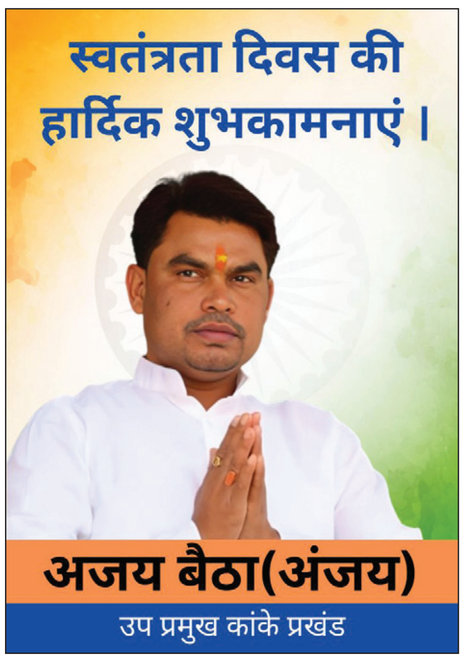

राज्य के दक्षिणी भाग में भारी बारिश की संभावना

RANCHI : पिछले कुछ दिनों से राज्य के अलग-अलग हिस्सों मे छिटपुट बारिश रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, आने वाले एक दो दिन में कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। इस संबंध में मौसम विज्ञान केंद्र ने सूचना जारी की है। जिसमें बताया गया है कि आने वाले एक दो दिन में राज्य के दक्षिणी पूर्वी भागों में भारी बारिश होने की संभावना है। जिसमे पूर्वी सिहंभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, खूंटी, रांची, धनबाद, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ समेत अन्य जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, राज्य के पश्चिमी हिस्सों मे तेज बारिश के साथ साथ थंडरिंग की संभावना जताई गई है। जिसमे पलामू, लातेहार, गढ़वा, चतरा, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा आदि जिलें शामिल है। केंद्र की मानें तो अगस्त महीने में मानसून सक्रिय रहेगा। लेकिन कुछ हिस्सों में इस दौरान छिटपुट बारिश की संभावना भी है। विभाग की माने तो आने वाले 24 घंटे तक तापमान में कोई बदलाव नहीं महसूस किया जायेगा। इसके बाद तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक की कमी महसूस की जायेगी। इस दौरान राज्य का औसतन अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्यिस रहेगा। वहीं, न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है।

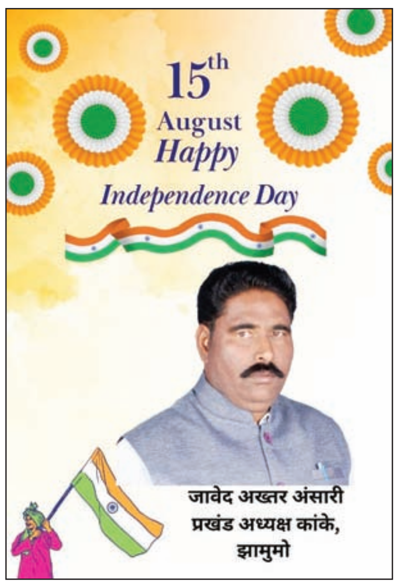

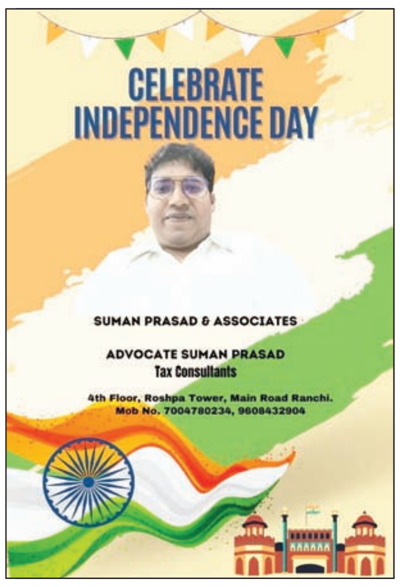

चास में 11 हजार वोल्ट के तार से सटकर ऑटो सवार युवक की मौत, दो घायल

मालवाहक ऑटो पर सवार होकर कांवरिया सेवा शिविर से घर लौट रहे थे 10 युवक

PHOTON NEWS BOKARO: चास थाना के पीछे बूढ़ा बाबा मंदिर मोड़ पर 14 अगस्त की सुबह युवकों से भरा मालवाहक ऑटो बिजली के झूलते तार के संपर्क में आ गया, जिससे एक युवक रोनित कुमार बाउरी (18) की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी झुलस गए। घायल विजय कांदू (17) और लक्ष्मण बाउरी (18) को आनन-फानन में बीजीएच ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल लक्ष्मण बाउरी का इलाज आईसीयू में चल रहा है। जबकि मामूली रूप से जख्मी विजय कांदू मौका पाकर अस्पताल से भाग निकला घटना सुबह करीब 6:30 बजे की है। ऑटो पर करीब 10 लोग सवार थे। सभी पिंड्राजोरा के बेड़ानी मोड़ पर लगे चिड़का बाबा कांवरिया सेवा शिविर में सेवा देकर अपने घर चास के बड़कुल्ही लौट रहे थे। घर से करीब 500 मीटर पहले ही ऑटो का ऊपरी हिस्सा 11 हजार वोल्ट के झूलते हुए बिजली तार से सट गया। जिससे करंट पूरे ऑटो में दौड़ गई। बिजली का झटका महसूस होते ही ऑटो पर सवार 7 युवक कूद गए, जबकि तीन उसी में फंसकर झुलस गए। तभी बिजली ट्रिप कर गई। आसपास के लोगों ने तीनों घायलों को चास के निजी अस्पताल में ले गए, जहां से सभी को बीजीएच भेजा गया। बीजीएच में पहुंचते ही डॉक्टरों ने रोनित को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो युवकों का इलाज शुरू कर दिया।

बीजीएच के आईसीयू में भर्ती लक्ष्मण बाउरी का हालचाल जानते विधायक बिरंची नारायण • फोटोन न्यूज

ऑटो के हूड का ऊपरी हिस्सा तार के संपर्क में आया

ऑटो से कूदने वाले शंभू दास, सुखदेव दास, बाबू कान्दू, उपेन बाउरी, साजन डे, विक्की रजवार सहित अन्य युवक बच गए। उन्होंने ने बताया कि सभी युवक कांवरियों की सेवा कर बेड़ानी मोड़ से लौट रहे थे। इनमें से कुछ ऑटो के डाला में और कुछ हुड पर बैठे हुए थे। रास्ते में मंदिर मोड़ के पास हूड का ऊपरी हिस्सा झूलते हुए 11 हजार वोल्ट के तार के संपर्क में आ गया, जिससे यह हादसा हुआ।

तीन सदस्यीय टीम करेगी घटना की जांच

बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता एसबी तिवारी ने बताया कि घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश राय ने बताया कि विद्युत विभाग के अधिकारियों को झूलते तार के बारे में पहले ही सूचना दी गई थी। स्थानीय लोगों ने विभाग के सडीओ से मिलकर ज्ञापन भी सौंपा था, लेकिन तार को दुरुस्त नहीं किया गया और यह हादसा हो गया।

मृतक के परिजनों व घायलों को विभाग से दिलाएंगे मुआवजा : विधायक

घटना की सूचना मिलते ही बोकारो के विधायक बिरंची नारायण ने बीजीएच पहुंचकर घायलों ओर मृतक के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने मृतक के परिजनों को ढांढ़स बंधाया। कहा कि विभाग के अधिकारियों से मिलकर मृतक के आश्रित को उचित मुआवजा और घायलों के इलाज का खर्च दिलाएंगे।

BRIEF NEWS

असामाजिक तत्वों ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की, लोगों में आक्रोश

GUMLA : लोहरदगा जाने वाले मार्ग पर स्थित टोटो के शिव मंदिर में असामाजिक तत्वों ने प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा फेंक दिया। इस घटना के बाद आक्रोशितों ने गुमला व रांची मार्ग जाम कर दिया है और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद गुमला के कई अधिकारी और पुलिसबल के जवान गांव पहुंचे और मंदिर को धोकर साफ करवाया। ताकि लोगों में तनाव न हो। इसके बावजूद लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।

धनबाद डीसी ने भूली में दो बूथों के वोटर लिस्ट का किया निरीक्षण

BHULI : धनबाद के डीसी वरुण रंजन 14 अगस्त सोमवार को भूली के दो मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ द्वारा सत्यापित वोटर लिस्ट का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीसी के साथ एसडीओ प्रेमकुमार तिवारी व सीईओ प्रशांत नायक भी थे। पूर्व पार्षद अशोक यादव ने अधिकारियों का स्वागत बुके देकर किया। डीसी व एसडीओ सबसे पहले भूली ए ब्लॉक स्थित बूथ नंबर 6 पर गए और बीएलओ रीना सिन्हा से वोटर लिस्ट सत्यापन की जानकारी ली। इस दौरान वे कुछ घरों में भी गए और लोगों से मिलकर वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण हुआ है या नहीं इसके बारे में पूछताछ की। उन्होंने बीएलओ से वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने-हटाने, नए वोटरों को जोड़ने आदि के बारे में दिशा-निर्देश दिया। इसके बाद वह भूली बी ब्लॉक स्थित बूथ नंबर एक के अंतर्गत आने वाले कुछ घरों में जाकर वोटर लिस्ट पुनरीक्षण कार्य की जानकारी ली। मौके पर बीएलओ पुष्पा देवी, बूथ सुपरवाइजर अब्दुल गफार, थाना प्रभारी रोशन बाड़ा, पूर्व पार्षद अशोक यादव, संतोष सिंह आदि मौजूद थे।

गावां प्रखंड में वृद्ध का शव मिला, जांच में जुटी पुलिस

GANWA (GIRIDIH) : गावां प्रखंड अंतर्गत मल्हेत गांव स्थित क्रशर के सामने घर में पटना निवासी वृद्ध व्यक्ति का शव मिला है। ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना गावां थाना को दी। सूचना पर पहुंचे गावां थाना प्रभारी सनी सुप्रभात ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। मृतक के नाक व मुँह से खून निकला हुआ था, आशंका जताई जा रही है कि ब्रेन हेमरेज से उसकी मौत हुई है। हांलाकि यह हत्या है या स्वभाविक मौत, पोस्टमार्टम के बाद ही इससे पर्दा उठ सकता है। इधर, ग्रामीणों ने बताया कि पटना निवासी टूकन बढ़ई 65 वर्षीय के परिवार में कोई नहीं था। वह बचपन से ही भेलवा निवासी भुनेश्वर वर्मा के यहां काम करता था। गांवा पुलिस शव को पोस्टमार्टम में भेजने की तैयारी में है।

सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने हर घर बांटा तिरंगा

TISRI (GIRIDIH) : 35 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ए समवाय थानसिंहडीह की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान चलाया गया। इसके तहत एसएसबी जवानों ने रैली की शक्ल में थानसिंहडीह पोस्ट से निकलकर ढोंगाचट्टी, मानीपुर व नीमाटांड आदि गांवों में ग्रामीणों के बीच तिरंगे का वितरण किया। इस क्रम में एसएसबी के जवानों व ग्रामीणों ने हाथों में मिट्टी लेकर विकसित भारत के निर्माण में भागीदारी निभाने, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का हरसंभव प्रयास करने, देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करने, इसके उत्थान के लिए हमेशा एकजुटता रहने व राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों व दायित्वों का पालन कर देश के लिए प्राण देने वाले वीरों से प्रेरित होकर राष्ट्र के रक्षा, सम्मान और प्रगति के लिए समर्पित रहने आदि पंचप्रण ली गई। कार्यक्रम में 2 जून 2019 को उग्रवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए एसएसबी के जवान नीरज क्षत्री को श्रद्धांजलि दी गई। निरीक्षक समवाय सत्यनारायण बेहेरा ने ग्रामीणों के बीच तिरंगे का वितरण किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख राजकुमार यादव, मदन यादव, एसएसबी के जवान, थानसिंहडीह ओ।पी। प्रभारी उदित बेदिया व ग्रामीण उपस्थित थे।

लोहरदगा में उपायुक्त के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा

PHOTON NEWS LOHARDAGA: उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के नेतृत्व में ₹हर घर तिरंगा अभियान₹ अंतर्गत नगर क्षेत्र में ₹तिरंगा यात्रा₹ निकाली गई। यह तिरंगा यात्रा समाहरणालय परिसर, लोहरदगा से प्रारंभ हुई जो मैना बगीचा, पावरगंज चौक, न्यू रोड, शिवाजी चौक, नगर परिषद कार्यालय होते हुए बड़ा तालाब के पास निर्मित व शहीदों के नाम समर्पित शिलाफल्कम (स्मारक) के पास समाप्त हुई। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार, सीआरपीएफ कमाण्डेंट राहुल कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, पुलिस

उपाधीक्षक (मुख्यालय) प्रमेश्वर प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, प्रशासक नगर परिषद, नजारत उप समाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, पीएचईडी कार्यपालक अभियंता, सिटी मैनेजर नगर परिषद समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राएं, चुन्नी लाल प्लस टू उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राएं, नदिया हिन्दू प्लस टू उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राएं.जेएसएलपीएस महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, विभिन्न खेल से जुड़े खिलाड़ी, झारखंड पुलिस व सीआरपीएफ के जवान, मीडिया प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए।

पर्यावरण मित्र के सावन महोत्सव में नृत्य-संगीत की बहार

सुधा मिश्रा ने किया पौधरोपण, मिसेज इंडिया रुमा मुखर्जी ने किया कैटवॉक

PHOTON NEWS DHANBAD : पर्यावरण मित्र संस्था की ओर से बिग बाजार के समीप सोमवार को सावन महोत्सव मनाया गया। महोत्सव में महिलाओं ने खुशियां बांटी। हर्षोल्लास के वातावरण में भाजपा नेत्री रागिनी सिंह व 2021 -2022 की मिसेज इंडिया रूमा मुखर्जी ने भी भागीदारी निभाई। दोनों मुख्य अतिथियों का महिलाओं ने स्वागत किया। महोत्सव का आयोजन एवं संचालन पर्यावरण मित्र की संयोजक सुधा मिश्रा ने किया।

कवियित्री सुधा मिश्रा ने पर्यावरण एवं जल संरक्षण का महत्व समझाया और पौधरोपण किया। महोत्सव में मौजूद सभी महिलाओं को पौधे और आकर्षक उपहार

दिए गए। मिसेज इंडिया ने महिलाओं के साथ कैटवॉक किया। महिलाओं के साथ मिलकर उन्होंने कई गानों पर नृत्य किये व संगीत का लुत्फ उठाया। महोत्सव में कई गेम एवं सरप्राइज गिफ्ट महिलाओं के लिए उपलब्ध थे। महोत्सव में वैष्णवी, एवं भाजपा नेत्री प्रियंका पाल, सुधा सिंह, साधना सूद, अगम अनु, सपना, अंजू, मिली ,कीर्ति किरण, सबा आलम, अनदिला, पुष्पा कल्याणी, पम्मी, राधा अग्रवाल, रिंकू दुबे वैष्णवी, एडवोकेट सुधा मिश्रा, काजल झा, आशा झा, कल्पना झा,सुभद्रा झा, भारती दुबे, मंजू पांडे सीनी रोशनी, रिंकी आदि मौजूद थी।

धनबाद के जोड़ापोखर में युवक की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS DHANBAD : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मी कॉलोनी बरारी में शिव मंदिर के पास एक युवक का शव मिला। युवक की पहचान जामाडोबा निवासी अमित सिंह के रूप में हुई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि रविवार देर रात कोयला चोर के वर्चस्व की लड़ाई में दो गिरोहों में विवाद हो गया। इस विवाद में एक गिरोह के युवक की हत्या कर दी गयी। घटना की सूचना पाकर जोड़ापोखर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मामले में जोड़ापोखर थाना

प्रभारी विनोद उरांव ने बताया कि लक्ष्मी कॉलोनी के पास एक युवक का शव बरामद हुआ है। इस मामले में गोली चलाई जाने की सूचना मिल रही है। लेकिन प्रारंभिक जांच में गोली चलने की कोई पुष्टि नहीं हो पाई है। घटनास्थल से एक मोटरसाइकिल और चप्पल की बरामद की गई है।

गोलीकांड में गिरफ्तार कीर्ति गौरव, जानू और अंकित सहित छह को भेजा गया जेल

RAMGARH: कुज्जू ओपी क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर चली गोली मामले में छह लोग को पुलिस ने जेल भेजा है। सोमवार को रामगढ़ एसपी पीयूष पांडे ने बताया कि गोली कांड के अभियुक्त गुरुद्वारा प्रबंध समिति के प्रधान परमदीप सिंह कालरा उर्फ जानू, छावनी परिषद की नामित सदस्य कीर्ति गौरव, गुरुद्वारा प्रधान के छोटे भाई हरदीप सिंह कालरा उर्फ अंकित, मनोरंजन गिरी, विक्रम कुमार और पंकज कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल मनोरंजन, विक्रम और पंकज का पुलिस अभिरक्षा में ही इलाज कराया जा रहा है। बाकी तीन लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रविवार को कुज्जू ओपी क्षेत्र के दिग्वार पोचरा इलाके में तीन एकड़ की जमीन के रास्ते को लेकर हुए विवाद में दो गुटों में झड़प हुई थी।

आपराधिक गतिविधियों के लिए किसी भी हाल में ना हो पुराने क्वार्टरों का इस्तेमाल

- अनाधिकारिक रूप से पुरानी क्वार्टरों में रह रहे लोगों को चिन्हित कर पुलिस वेरिफिकेशन कराने के संबंध में उपायुक्त ने दिए आवश्यक निर्देश

PHOTON NEWS RAMGARH: जिले में विधि व्यवस्था संधारित करने के मद्देनजर सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ श्री चंदन कुमार ने पुलिस अधीक्षक श्री पीयूष पांडे के साथ में सीसीएल, पीवीयूएनएल सहित अन्य एजेंसियों के महाप्रबंधकों/ प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक के साथ एजेंसीवार जिले के अलग-अलग प्रखंडों में संचालित सीसीएल, पीवीयूएनएल, टाटा सहित अन्य परियोजनाओं मेबअधिकारियों व कर्मियों के निवास हेतु क्वार्टरों के वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। मौके पर उपायुक्त ने सभी महाप्रबंधकों एवं प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनकी परियोजना अंतर्गत लंबे समय से खाली पड़े क्वार्टरों का इस्तेमाल किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि के लिए किसी भी हाल में ना किया जाए। इसके लिए उपायुक्त ने सभी संबंधित महाप्रबंधकों एवं प्रतिनिधियों को पुराने क्वार्टरों को योजनाबद्ध तरीके से चिन्हित करने व क्वार्टरों में रह रहे लोगों का पुलिस वेरीफिकेशन सहित अन्य कार्यवाई सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु, कार्यपालक दंडाधिकारी सह प्रभारी विधि शाखा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

गया से पैदल पहुंचे थे बेरमों प्रखंड के गोविंदपुर, पैर में पड़ गए थे छाले, 16 साल की उर्म में कूदे थे आजादी की लड़ई में

स्वतंत्रता सेनानी शिवचरण महतो ने फूंका था अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल

बेरमो प्रखंड कार्यालय स्थित स्वतंत्रता सेनानी शिलापट्ट • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS BOKARO: भारत को ब्रिटिश राज से आजाद हुए लगभग 76 साल हो गए हैं लेकिन आज भी अंग्रेजों के जुल्मों की कहानी सुनककर रूह कांप उठती है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ छेडे. गए आंदोलन में भाग लेने वाले बेरमो प्रखंड के गोविंदपुर निवासी स्वतंत्रता सेनानी शिवचरण महतो भले ही इस दुनिया में नहीं है, किंतु उनका कृतित्व जन-जन में स्मरणीय है। शिवचरण महतो ने 16 वर्ष की अल्प आयु में ही अंग्रेजों के खिलाफ बिंगुल फूंक दिया था। शिवचरण महतो स्वतंत्रता सेनानी चुरामन महतो से मुलाकात के बाद कृष्ण बल्लभ सहाय के शिष्य बन गए थे। लोवर प्राइमरी तक पढ़ाई करने वाले शिवचरण गांव-गांव में जाकर खोरठा भाषा में गीत गाकर अंग्रेजों के खिलाफ लोगों को आंदोलित करते थे। इस दौरान वर्ष 1940 में रामगढ़ में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में भी शिवचरण महतो ने भाग लिया था। सम्मेलन में पहुंचे महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर वे अपने गांव के सहपाठी भोली महतो के साथ आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। इसके अलावा गिरीडीह, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़ व गया का दौरा कर अंग्रेजों के खिलाफ लोगों को तैयार करते रहते थे। बताया जाता है कि बिहार के गया में हुई मीटींग के बाद वे पैदल गोविंदपुर पहुंचे थे। इस लंबी पैदल यात्रा में उनके पैरों में छाले पड़ गए थे, जिससे वे पत्ता बांध कर आए थे।

समय के साथ बिसार दिए गए शिवचरण महतो

गोविंदपुर के ननकु महतो के घर जन्मे शिवचरण महतो चार भाईयों में सबसे बड़े थे। आजादी के बाद सरकारी उपेक्षा के कारण वे मुफलिसी में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुपोषण से अपने दो बेटे व एक बेटी को खो चुके शिवचरण पूरी तरह टूट चुके थे। पत्नी कोयला बेचकर घर चला रही थी। तीसरे बेटे रामटहल महतो को बचाने के लिए शिवचरण महतो को में 1.1 एकड़ जमीन 160 रूपए में बेच दिया था। इसी तंगहाली में 1974 में उनका निधन हो गया। बाद में पत्नी गंगा देवी को डीवीसी पावर प्लांट में नौकरी मिली। पत्नी गंगा देवी का निधन 2005 हो गया। शिवचरण महतो के पुत्र रामटहल महतो ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। लेकिन आज तक सरकार व प्रशासन ने उनकी कोई सुध नहीं ली। हांलाकि बेरमो प्रखंड कार्यालय स्थित स्वतंत्रता सेनानी शिलापट्ट में शिवचरण महतो का नाम अंकित है।

सांसद की पहल भी डीवीसी–सीसीएल ने कर दी अनसुनी

गोविंदपुर में स्वतंत्रता सेनानी शिवचरण महतो स्मृति भवन निर्माण के लिए सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने डीवीसी और सीसीएल को सीएसआर से स्वीकृति भी दी, लेकिन डीवीसी और सीसीएल ने अनसुनी कर दिया।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या करने के बाद शव को नदी में फेंका

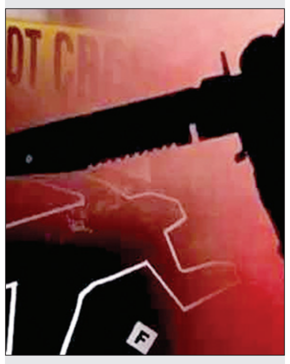

PALAMU : मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के बैरिया में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गयी है। हत्या के बाद युवक के शव को नदी में फेंक दिया गया था। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया।

आशंका जतायी जा रही है कि शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा। जिसके बाद युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गयी।

हत्या के आरोप में पुलिस ने दो महिला और एक पुरुष को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

BRIEF NEWS

सोमवारी पर शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

CHAKULIA : सावन की छठी सोमवारी पर सोमवार को चाकुलिया के शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं भीड़ उमड़ी। यहां के नागानल मंदिर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और जलाभिषेक किया। अनेक बाल कांवरिया कावड़ लेकर पहुंचे और जलाभिषेक किया। पूजा के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। पुजारी अशोक पति, दिलीप पति, सुखदेव पति और विश्वनाथ पति ने श्रद्धालुओं से पूजा-अर्चना कराई। यहां के पुराना बाजार स्थित चंडेश्वर शिव मंदिर में भी पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

स्वामी विवेकानंद आईटीआई के विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

CHAKULIA : हर घर तिरंगा अभियान के तहत चाकुलिया के स्वामी विवेकानंद आईटीआई कॉलेज के विद्यार्थियों ने सोमवार को कॉलेज परिसर से तिरंगा यात्रा ने निकाली। कॉलेज परिसर से निकली यात्रा मुख्य सड़क से गुजरते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंची और यहां से वापस कॉलेज परिसर में जाकर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में संजीत राउत, पीजुश पात्र, शुक्ला मोहंती, मनोज बेरा, नृमेंद्र महतो, सुब्रत पाणिग्रही, अभिषेक कालिंदी, दीपक नायक समेत संस्थान के विद्यार्थी शामिल हुए।

मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम आयोजित

CHAKULIA : प्रखंड कार्यालय में सोमवार को मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम सह वन पट्टा और पेंशन स्वीकृत प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित हुआ। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक समीर महंती और विशिष्ट अतिथि घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी सत्यवीर रजक उपस्थित थे। समारोह में विधायक समीर महंती ने कहा कि आज देश भर में मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों में देश प्रेम लाना और आजादी की लड़ाई में शहीद हुए वीरों को याद करना है। उन्होंने कहा कि सभी अपने अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश की आजादी का जश्न मनाएं। विधायक ने कहा कि हेमंत सरकार राज्य और राज्य के लोगों के उत्थान के प्रति सचेत है और लोगों के विकास के लिए कई

रैफ 106वीं बटालियन के कैंप में मेरी माटी-मेरा देश अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

सुंदरनगर कैंप में वीरांगनाओं को किया गया सम्मानित, मिट्टी की गई संग्रहित

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सुंदरनगर स्थित रैफ की 106वीं बटालियन कैंप में सोमवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मिट्टी को नमन, वीरों को वंदन नामक इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रैफ 106वीं बटालियन के कमांडेंट डॉ निशीत कुमार उपस्थित थे।

उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए आजादी के महत्व को बताया और शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ही रैफ का गठन किया गया था, आज भी शांति कायम करने में रैफ अपनी अहम भूमिका निभा रहा है।

नेहरू युवा केंद्र की प्रतिनिधि को मिट्टी सौंपते रैफ अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

कमांडेंट ने कहा कि देशभर में हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। इसी क्रम में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित किया गया था, इसमें वीर नारियों को सम्मनित किया गया है।

स्कूली बच्चे व ग्रामीण हुए शामिल : समारोह में बड़ी संख्या में कदमडीह और ब्यांगबिल के स्कूली बच्चे, स्थानीय ग्रामीण और रैफ के जवान शामिल थे। इस दौरान शहीद हुए तीन रैफ जवानों की पत्नियों (वीर नारियों) व कई पूर्व जवानों को कमांडेंट ने शॉल ओढ़ाकर कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने देश के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लिया और एक-एक मुट्ठी मिट्टी कलश में एकत्रित की। इस मिट्टी को नेहरू युवा केंद्र की प्रतिनिधि को सुपुर्द किया गया। एकत्रित की गई मिट्टी दिल्ली भेजी जाएगी, जहां कर्तव्य पथ पर ह्यअमृत वाटिकाह्ल बनेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से द्वितीय कमान अधिकारी शैलेंद्र कुमार और सच्चिदानंद मिश्र मौजूद थे।

पक्का घाट के पास स्ट्रीट लाइट खराब, बना नशेड़ियों का अड्डा

PHOTON NEWS CHAKULIA : चाकुलिया नगर पंचायत के कमारीगोड़ा स्थित पक्का घाट तालाब के पास सड़क के किनारे अनेक स्ट्रीट लाइटें कई माह से खराब पड़ी हैं। बंद पड़ी लाइटें नगर पंचायत के तहत स्ट्रीट लाइट लगाने में हुई भारी गड़बड़ियों की ओर इशारा कर रही हैं। परंतु नगर पंचायत प्रशासन तमाशबीन बना है। इनकी मरम्मत की दिशा में कोई पहल नहीं हो रही है।

लाखों की लागत से लगाई गई थी लाइट : उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत के तहत लाखों की लागत से मुख्य सड़क के किनारे स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थी। परंतु कुछ माह बाद ही एक-एक कर लाइट खराब होने लगी। पक्का घाट तालाब

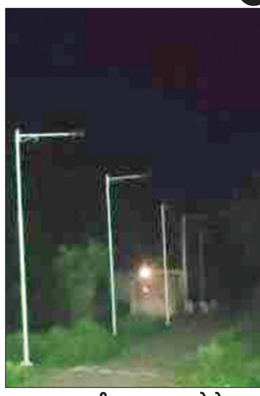

खराब पड़ा स्ट्रीट लाइट। ● फोटोन न्यूज

के पास स्ट्रीट लाइटों के खराब होने के कारण नशेड़ियों का अड्डा जमने लगा है। मालूम हो कि पक्का घाट तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य 60 लाख की लागत से हुआ था। परंतु इसी तालाब के पास अनेक स्ट्रीटें लाइट खराब पड़ी हैं।

गुवा-नोवामुंडी में उत्साह के साथ निकली तिरंगा यात्रा, नारों सें गूंजा पूरा इलाका

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को जनप्रतिनिधियों, जेएसएलपीएस समूह की महिलाओं ने तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा रैली गुवा पश्चिमी पंचायत, कच्छीधौड़ा, विवेक नगर, रेलवे मार्केट, रामनगर, गुवा बाजार से होते हुए रामनगर दुर्गा मंडप में आकर समाप्त हुई।

इस दौरान सभी महिलाओं ने मेरी माटी मेरा देश के प्रति शपथ ग्रहण किया। रैली के दौरान विभिन्न

तिरंगा यात्रा में शामिल महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

देशभक्ति के नारे व शहीद वीर पुरुषों के नारों से पूरा गुवा गूंज उठा। रैली का नेतृत्व नोवामुंडी भाग एक जिला परिषद सदस्य देवकी कुमारी, पश्चिमी पंचायत मुखिया पद्मिनी लागुरी, पूर्वी पंचायत मुखिया चांदमनी लागुरी व जेएसएलपीएस के जेंडर गीता देवी ने किया। इस दौरान हर घर तिरंगा अभियान को लेकर करीब 1000 तिरंगा झंडा का वितरण किया गया। मौके पर रोजगार सेवक कृतिधर महतो, जिप सदस्य देवकी कुमारी, पश्चिमी पंचायत मुखिया पद्मिनी लागुरी, पूर्वी पंचायत मुखिया चांदमनी लागुरी, जेएसएलपीएस की जेंडर गीता देवी, ममता देवी, अनुराधा राव, रेनू चौधरी सहित विभिन्न समूह की महिलाएं मौजूद थी।

सिदगोड़ा में मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन, 700 लीटर अवैध शराब जब्त

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर आबकारी विभाग ने सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बाबुडीह में छापेमारी कर मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। टीम ने मौके से 700 लीटर अवैध शराब समेत अन्य सामान बरामद किए है। शराब को जब्त कर आबकारी विभाग के कार्यालय लाया गया।

जानकारी देते हुए विभाग के निरीक्षक रामदास भगत ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि सिदगोड़ा में अवैध शराब बनाया जा रहा है। सूचना पाकर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके से 700 लीटर अवैध शराब, दो हजार से ज्यादा खाली बोतल और ढक्कन समेत स्टीकर बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि अवैध शराब को दूसरे राज्यों से सस्ते दामों में लाया जाता था और उसे महंगी शराब की बोतलों में भरकर बेचा जाता था। मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

जब्त अवैध शराब।। ● फोटोन न्यूज

ससुराल में मृत मिली महिला, भाई ने पति व सास पर लगाया हत्या का आरोप

PHOTON NEWS ADITYAPUR : आदित्यपुर थाना क्षेत्र के बड़ा गम्हरिया बगानपाड़ा निवासी जितेन मल्लिक की पत्नी शकुंतला देवी अपने घर में मृत पाई गई। मौत की सूचना पाकर पहुंचे मायके वालों ने शकुंतला देवी की मौत को हत्या बताया है।

मौके पर पहुंची आदित्यपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। शकुंतला देवी के मौसेरे भाई विमल पॉल ने बताया कि सोमवार की सुबह उसके बहनोई जितेन मल्लिक ने बताया कि तबीयत खराब होने से तुम्हारी बहन की मौत हो गई है। जब बहन के ससुराल पहुंच कर देखा तो बहन के गले में फंदे का निशान था। इसपर उसके बहनोई ने कहा कि तुम्हारी बहन ने आत्महत्या की है। बहनोई के बदलते बयान के कारण उसे शक हुआ तब इसकी सूचना पुलिस को दी। महिला के मौसेरे भाई ने अपने बहनोई जितेन मल्लिक एवं उसकी मां राधी मल्लिक पर हत्या का आरोप लगाया है।

आदित्यपुर में बच्चों ने देशभक्ति का कार्यक्रम प्रस्तुत कर लूटी वाहवाही

PHOTON NEWS ADITYAPUR : आदित्यपुर बेबी कोचिंग स्कूल के बच्चों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर समारोह का आयोजन किया गया. स्कूल के प्रिंसिपल मीना देवी की अगुवाई में आयोजित समारोह में स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक तथा देश भक्ति का कार्यक्रम पेश करके खूब वाहवाही लूटा. इस दौरान स्कूल के बच्चों की ओर से राष्ट्रीय गीत गाया गया तथा बच्चों ने परेड करके राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी. इस कार्यक्रम में सभी बच्चे अपने-अपने घरों से झंडे लेकर पहुंचे थे. इसके उपरांत स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर खुद कोरियोग्राफी कर डांस प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटे. इस दौरान प्रिंसिपल मीना देवी ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों की ओर से जिस तरीके से देशभक्ति गीतों पर कोरियोग्राफी पेश की गई है वह काबिले तारीफ है. बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम में बच्चों तथा स्कूल के सदस्यों की मेहनत साफ नजर आ रही है.

महिलाओं ने कांवर यात्रा निकाल किया जलाभिषेक

बोल बम के नारों से गूंज उठी बस्ती

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : आदित्यपुर दिंदली बस्ती और आसपास की महिलाओं ने सोमवार को पुरुषोत्तम मास के सोमवारी पर खरकई नदी से जलभर कर कांवर यात्रा निकाली और दिंदली बस्ती के पौराणिक शिव मंदिर में कतारबद्ध होकर जलाभिषेक किया। इस दौरान महिलाओं के बोल बम के नारों से समूचा आदित्यपुर गुंजायमान रहा। बता दें कि दिंदली बस्ती की वार्ड पार्षद राजरानी महतो के नेतृत्व में सैकड़ों शिवभक्त महिलाएं हर वर्ष सावन की सोमवारी पर कांवर यात्रा निकाल शिवलिंग पर जलाभिषेक करती हैं। महिलाएं इस वर्ष भी गेरुआ वस्त्र में कांवर यात्रा निकाली और जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर को सजाया गया था। जलाभिषेक के बाद शिवलिंग का श्रृंगार हुआ और सभी महिलाएं महाआरती में शामिल हुई। तत्पश्चात सभी भक्तों ने महाभोग ग्रहण किया।

चाकुलिया : नारायण ठाकुरबाड़ी मंदिर में 14 जोड़ियों ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

CHAKULIA : चाकुलिया के पुराना बाजार स्थित सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी मंदिर में सोमवार को 14 जोड़ों द्वारा सामूहिक रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। स्वामी हंसानंद महाराज के सानिध्य में पंडित शिवम मिश्रा ने रुद्राभिषेक करवाया। रुद्राभिषेक में राजेश लोधा, संजय कुमार लोधा, सुनील लोधा, बिट्टू लोधा, बासु लोधा, सोमु लोधा, विनय रुंगटा, राजेंद्र लोधा, रितेश लोधा, गोल्डी अग्रवाल, आनंद केड़िया, विनोद शर्मा, माधव झुनझुनवाला, धीरज शर्मा अपनी पत्नी के साथ शामिल हुए। मौके पर स्वामी हसानंद महाराज ने कहा कि सावन में किया गया पाप, पाप की श्रेष्ठता को बढ़ाता है और सावन में किया गया पुण्य, पुण्य की श्रेष्ठता को बढ़ाता है। वहीं पंडित शिवम मिश्रा ने कहा कि स्नान करने से तन की शुद्धि होती है और प्राणायाम करने से मन की शुद्धि होती है। मौके पर मंदिर के सदस्य दीपक झुनझुनवाला, पप्पू लोधा, अनूप कड़िया, गणेश प्रसाद रुंगटा, वीणा रुंगटा, दामोदर बाकरेवाला उपस्थित थे।

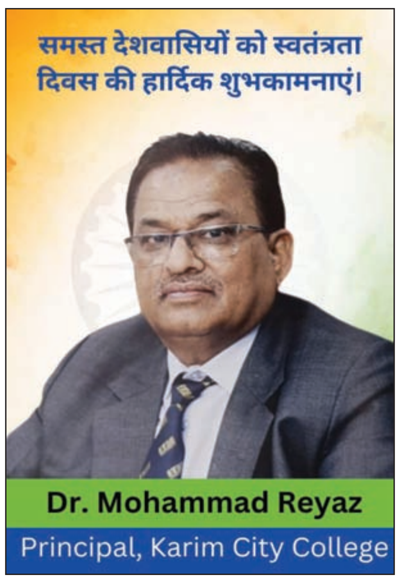

रूसी चंद्र अभियान

दुनिया में जब कोई देश विज्ञान की ओर कदम बढ़ाता है, तब मानव समाज सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ता है। यूक्रेन के खिलाफ युद्धरत रूस से उम्मीद नहीं थी, पर उसने शुक्रवार को अपना चंद्र अभियान रवाना कर दिया। यह ध्यान देने की बात है कि 1960 के दशक तक अमेरिका और सोवियत संघ लगभग बराबरी के साथ अंतरिक्ष में कामयाबी के अध्याय लिख रहे थे, पर जब अमेरिका चांद पर इंसान को उतारने में सफल हुआ, तब रूसी अंतरिक्ष अभियान एक झटके में बहुत पिछड़ गया। शीत युद्ध का दौर था, तो सोवियत संघ ने अमेरिकी कामयाबी के बाद हार-जीत का जोखिम उठाना मुनासिब नहीं समझा। अब 47 वर्ष बाद रूस ने अपना पहला चंद्रमा-लैंडिंग अंतरिक्ष यान लॉन्च किया है। इसके साथ ही उसने यह भी घोषणा की है कि वह चीन के साथ मिलकर मानव अभियान भेजने पर विचार करेगा और चांद पर स्थायी आधार की संभावनाएं तलाशेगा। साफ है, रूस ने अपनी महत्वाकांक्षा का साफ इजहार कर दिया है और एक युद्धरत देश को विज्ञान की दिशा में पहल करते देख दुनिया के तमाम विज्ञान समर्थक व शांतिप्रिय लोगों को सुकून का एहसास हुआ होगा। कितना ही अच्छा हो, अगर दुनिया में आए दिन ताकत का प्रदर्शन करने वाले देश अपना पूरा जोर वैज्ञानिक तरक्की पर लगा दें? यह हमारी दुनिया के लिए बहुत अच्छा है कि दिग्गज देश चांद के महत्व को समझ रहे हैं और एक तरह से चांद पर पहुंचने की होड़ मच गई है। अमेरिका, चीन, भारत, रूस, फ्रांस, जापान, यूएई इत्यादि देश अपने-अपने तरीके से अभियान चला रहे हैं। हमारी पृथ्वी से 3,84,400 किलोमीटर दूर स्थित चंद्रमा हमारे लिए उपयोगी उपग्रह है। वह पृथ्वी पर जलवायु को स्थिरता देता है। पृथ्वी के महासागरों में ज्वार की वजह बनता है। चांद पर अगर दुनिया के विकसित देश जल या जीवन की संभावना खोज लेते हैं, तो फिर दुनिया में लोगों के सोचने का नजरिया ही बदल जाएगा। दुनिया में जिस तरह से छोटी-छोटी बातों व स्वार्थ की वजह से लोग लड़ रहे हैं, वह किसी त्रासदी से कम नहीं है। विज्ञान के नए-नए विषय अगर हमारे आसपास बनते रहे, तो हम फिजूल की चचाओं से बच सकते हैं। युद्ध की आशंका भी कम होगी, क्योंकि वैज्ञानिक रूप से विकसित देशों के राष्ट्राध्यक्षों का दिमाग वैज्ञानिक तरक्की पर केंद्रित हो जाएगा। यह कितनी बड़ी खुशी है कि भारत का चंद्रयान-3 भी चांद के करीब पहुंच रहा है और वहां के परिवेश का अध्ययन कर रहा है। दुनिया की निगाह भारत के इस अभियान पर टिकी हुई है। चंद्रमा पर पानी की पहली निश्चित खोज 2008 में चंद्रयान-1 ने ही की थी, तो इस बार चंद्रयान-3 दुनिया को क्या बताने वाला है? 14 जुलाई को अपने प्रक्षेपण के बाद भारत का महत्वाकांक्षी चंद्रयान 5 अगस्त को सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर गया। उसका अगला चरण 14 अगस्त को पूरा होगा। यह भारतीय यान धीरे-धीरे चांद की सतह के करीब पहुंचने लगा है। 14-16 अगस्त को चंद्रयान चांद की सतह से 100 किलोमीटर दूर वाली कक्षा हासिल कर लेगा।

नाम परिवर्तन पर दोहरा रवैया

केरल का नाम केरलम करने का प्रस्ताव राज्य विधानसभा ने पारित कर दिया है। सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव पर केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने कहा कि इस राज्य को मलयालम में केरलम ही कहा जाता है। अग्रिम कार्रवाई के लिए यह प्रस्ताव केंद्र के पास भेज दिया गया है। राज्यों, क्षेत्रों, नगरों और महानगरों के नाम परिवर्तन के प्रस्ताव बहुधा आते रहते हैं। बंगाल सरकार ने भी राज्य का नाम बदलकर बांग्ला करने का प्रस्ताव पारित कर रखा है। केरल का नाम भी 1956 से पहले त्रावणकोर-कोचीन था। तमिलनाडु का नाम मद्रास राज्य था। कर्नाटक का नाम मैसूर राज्य था। उड़ीसा की जगह ओडिशा हुआ है। नार्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) का नाम अरुणाचल प्रदेश किया गया। पोंडिचेरी भी पुदुचेरी हो गया। बंगलोर का नाम 2006 में बेंगलुरु हुआ। मुंबई शहर लंबे समय बांबे कहा जाता था। केरल के त्रिवेंद्रम का नाम 1991 में तिरुअनंतपुरम हुआ। कलकत्ता को कोलकाता हुए बहुत समय नहीं बीता। मद्रास का नाम चेन्नई हुआ। पंजाब का नाम 1950 के पहले पूर्वी पंजाब था। उत्तर प्रदेश का नाम 1950 के पहले संयुक्त प्रांत था। नाम परिवर्तन नई बात नहीं है। सांस्कृतिक-राजनीतिक कारणों से ऐसे नाम परिवर्तन चला करते हैं। नामकरण में बहुधा संस्कृति, सभ्यता एवं इतिहास के प्रेरक तत्व होते हैं। कई देशों के नाम भी परिवर्तित हुए हैं। अमेरिकी राजधानी का नाम प्रथम राष्ट्रपति वाशिंगटन की स्मृति में रखा गया था। ईरान का नाम पर्शिया था। यहां पर्शियन साम्राज्य की स्थापना हुई। बाद में पर्शिया की जगह देश का नाम ईरान हो गया। म्यांमार पहले बर्मा था। जार्डन पहले ट्रांस जार्डन था। यह नाम जार्डन नदी से संबंधित बताया जाता है। कंबोडिया पहले कंपूचिया था। श्रीलंका ब्रिटिश काल में सीलोन था। 1972 में रिपब्लिक आफ श्रीलंका हुआ। 1978 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ श्रीलंका हुआ। नाम महत्वपूर्ण है। नाम और रूप मिलकर परिचय बनते हैं। ऋग्वेद के ज्ञान सूक्त में कहा गया है कि, ह्यकिसी पदार्थ का नाम रखकर परिचय करना ज्ञान की शुरूआत है। वास्तविक ज्ञान शब्द अर्थ के गर्भ में छुपा रहता है। ज्ञानी जन तप बल से वाणी का अभिप्राय प्राप्त करते हैं। राज्यों और बड़े केंद्रों के नामकरण एवं नाम परिवर्तन के पीछे सांस्कृतिक इतिहास भी होते हैं। केरलम के संबंध में भी यही स्थिति है। केरलम नाम से राज्य के वाम विचार वाले मुख्यमंत्री का लगाव दिखाई पड़ता है।

सपने सच होने बाकी हैं, रावी की शपथ अधूरी है

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत विभाजन का एक सच यह भी है, यदि उस समय देश का अहिंसक आन्दोलन जिसमें कि सबसे अधिक जनसंख्या में लोगों का विश्वास रहा, उसका नेतृत्व कर रहे महात्मा गांधी अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की तरह निर्णय लेने की दृढ़ प्रतिज्ञा कर लेते तो देश का परिदृश्य ही कुछ ओर होता, क्योंकि यह स्वभाविक है कि जैसा नेतृत्व होता है, संगठन, सत्ता, शासन की धारा उसी अनुसार बही चली जाती है। दुनिया जानती है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अंग्रेजों का भारत छोड़कर जाना अपरिहार्य हो गया था, किंतु भारत विभाजन बिल्कुल अपरिहार्य नहीं था। कराची में प्रवेश करते समय जिन्ना ने अपने ए.डी.सी. से इस बारे में कहा भी था, 'मैंने कल्पना तक नहीं की थी कि ऐसा होगा। मुझे आशा नहीं थी कि जीते जी पाकिस्तान देख सकूंगा'। वस्तुतः स्वाधीनता के पहले की स्थितियों को देखें तो इस्लाम का जहाजी बेड़ा सात समुद्रों को तो बेरोकटोक पार कर गया और अजेय रहा, पर जब वह हिन्दुस्तान पहुंचा तो गंगा के पानी में डूब गया था, किंतु उसे बाहर निकालने का कार्य जितना अंग्रेजों ने फूट डालो और राज करो की नीति पर अमल करके किया, उससे ज्यादा कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं के बयानों, उनके निर्णयों और कई बार अनिर्णय की स्थिति में बने रहने के कारण, यह जहाज गंगा में डूबने के बाद भी बाहर निकल आया।

भारत का विभाजन हुआ यह सभी ने देखा। कहा जाता है कि नियति ही उस दिन की ऐसी थी, पहले से सब कुछ तय था । पटकथा लिखी जा चुकी थी, परिवर्तन की संभावना शून्य थी। लेकिन इतिहास तो ऐसे कई उदाहरणों से भरा पड़ा है, जब पूर्ण वेग विपरीत दिशा में था उसके बाद भी परिवर्तन संभव हो सके, जो कहीं वर्तमान में दिखाई नहीं देते थे। भारत विभाजन का एक सच यह भी है, यदि उस समय देश का अहिंसक आन्दोलन जिसमें कि सबसे अधिक जनसंख्या में लोगों का विश्वास रहा, उसका नेतृत्व कर रहे महात्मा गांधी अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की तरह निर्णय लेने की दृढ़ प्रतिज्ञा कर लेते तो देश का परिदृश्य ही कुछ ओर होता, क्योंकि यह स्वभाविक है कि जैसा नेतृत्व होता है, संगठन, सत्ता, शासन की धारा उसी अनुसार बही चली जाती है। दुनिया जानती है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अंग्रेजों का भारत छोड़कर जाना अपरिहार्य हो गया था, किंतु भारत विभाजन बिल्कुल अपरिहार्य नहीं था। कराची में प्रवेश करते समय जिन्ना ने अपने ए.डी.सी. से इस बारे में कहा भी था, 'मैंने कल्पना तक नहीं की थी कि ऐसा होगा। मुझे आशा नहीं थी कि जीते जी पाकिस्तान देख सकूंगा'। वस्तुतः स्वाधीनता के पहले की स्थितियों को देखें तो इस्लाम का जहाजी बेड़ा सात समुद्रों को तो बेरोकटोक पार कर गया और अजेय रहा, पर जब वह हिन्दुस्तान पहुंचा तो गंगा के पानी में डूब गया था, किंतु उसे बाहर निकालने का कार्य जितना अंग्रेजों ने फूट डालो और राज करो की नीति पर अमल करके किया, उससे ज्यादा कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं के बयानों, उनके निर्णयों और कई बार

अनिर्णय की स्थिति में बने रहने के कारण, यह जहाज गंगा में डूबने के बाद भी बाहर निकल आया। हिन्दू और मुस्लिम दो अलग संस्कृतियां हैं, ये कभी एक साथ नहीं रह सकतीं, इसलिए दो धर्म, दो देश, दो निशान के आधार पर देश का बंटवारा होकर रहेगा, यह कहना और इस सिद्धांत के सामने नतमस्तक हो जाना निश्चित ही तत्कालीन नेतृत्व की सबसे बड़ी भूल रही। लाहौर में हुए 1929-30 के कांग्रेस अधिवेशन में 31 दिसम्बर को रावी के तट पर जवाहरलाल नेहरू से अपनी अध्यक्षता में सभी कांग्रेस नेताओं के जरिए देशवासियों को पूर्ण स्वाधीनता की प्रतिज्ञा दिलाई थी। किंतु खेद का विषय है कि जिस रावी के तट पर यह प्रतिज्ञा ली गई, आजाद भारत में वह रावी नदी कहीं नहीं है। उस प्रतिज्ञा के कर्णधार महात्मा गांधी और पं. नेहरू यहां तक कि अन्य दिग्गज कांग्रेसी भी 14 अगस्त 1947 को ली गई अपनी ही पूर्व प्रतिज्ञा भूल गए। 1940 में जब मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान संबंधी प्रस्ताव स्वीकार्य किया था तो इस पर महात्मा गांधी ने हरिजन समाचार पत्र में कुछ इस तरह समय-समय पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। दो राष्ट्रों का सिद्धांत बेतुका है... जिन्हें ईश्वर ने एक बनाया है, उन्हें मनुष्य क्या कभी बांट सकेगा ? इसी में अन्य एक जगह लिखा... बंटवारे का अर्थ है सच्चाई से मुंह मोड़ना । मेरी समूची आत्मा इस विचार से विद्रोह कर रही है। मेरे विचार से ऐसे सिद्धांतों को स्वीकार करना ईश्वर को नकारना है । मैं हर अहिंसात्मक उपाय से इसे रोकूंगा, क्योंकि इसका अर्थ है एक राष्ट्र के रूप में साथ-साथ रहने के लिए अनगिनत हिन्दू और मुसलमानों ने सदियों तक जो परिश्रम किया है, उस पर पानी फेर देना। महात्मा गांधी हरिजन में लिखते हैं कि भारत का दो भागों में बंटवारा तो अराजकता से भी भयंकर है। इस अंग-भंग को सहन नहीं किया जा सकता। भारत के टुकड़े करने से पहले मेरे टुकड़े कर डालो। कांग्रेस के एक अन्य लीडर डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने 1945 में अपने कारावास के दौरान 'इण्डिया डिवाइडेड' नाम से पुस्तक लिखी थी। उन्होंने बड़े ही तार्किक ढंग से जिसमें भौगोलिक, आर्थिक, रक्षात्मक, सामाजिक, ऐतिहासिक सभी दृष्टिकोण एवं विश्लेषण समाहित थे के माध्यम से यह बताया था कि किस तरह पाकिस्तान की मांग अव्यवहारिक है। लेकिन हुआ क्या वे दो साल बाद ही खंडित आजादी प्राप्त भारत के पहले राष्ट्रपति बने। यह बात पिछले 76 साल में आज तक समझ नहीं आई है। कत्ल और विद्रोह के भय से यदि भारत विभाजन का निर्णय हुआ है तब यह निश्चित ही बहुत दुखान्त है। आज भारत के विभाजन के लिए किसे दोषी माना जाए ? तत्कालीन नेतृत्व को या अकेले महात्मा गांधी को जिनमें कि समूचा भारत अपनी पूर्ण निष्ठा रखता था और जिनके अड़े रहने पर कभी देश का विभाजन होना संभव नहीं होता, भले ही स्वाधीनता एक या दो साल आगे मिलती। जिन्ना और उस जमाने के मुस्लिम लीग के नेता सही कहते थे कि वे खुद नहीं समझ पा रहे हैं कि पाकिस्तान हकीकत बन चुका है। हमारे लिए तो यह केवल सत्ता में अधिक हक पाने से ज्यादा कुछ नहीं था। फिर भी कहीं आशा का दीप जल रहा है। यदि हजारों वर्ष बाद भी दुनियाभर में फैले यहूदी अपना देश इजरायल पा सकते हैं और कई पीढ़ियों के पश्चात यरुशलम में मिल सकते हैं।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

स्वाधीनता की अपेक्षाएं

स्वतंत्रता- यह शब्द सुन कर अक्सर मन में सबसे पहले बंधन से मुक्ति का भाव आता है। इस स्थिति में किसी तरह के बंधन नहीं रहते और प्राणी को स्वाधीनता का अहसास होता है। परंतु स्वतंत्रता निष्क्रिय शून्यता की स्थिति नहीं है और स्वतंत्रता स्वच्छंदता भी नहीं है। वह दिशाहीन नहीं हो सकती। बिना किसी लक्ष्य के निरुद्देश्य स्वतंत्रता कोई अर्थ नहीं रखती। इस बारे में सोचते हुए ये सवाल उठते हैं कि स्वतंत्रता किससे चाहिए? और यह भी कि स्वतंत्रता किसलिए चाहिए? सच कहें तो स्वतंत्रता या स्वतंत्र (बने) रहना एक क्रिया है, एक जिम्मेदार क्रिया क्योंकि इसमें किसी और पर निर्भरता नहीं रहती। स्वतंत्र होकर संकल्प और आचरण के केंद्र हम स्वयं हो जाते हैं। स्वतंत्रता बनी रहे और जिस उद्देश्य के लिए है, वह पूरा होता रहे ऐसा अपने आप नहीं हो सकता। इसके लिए प्रतिबद्धता और दिशाबोध के साथ जरूरी सक्रियता भी होनी चाहिए। थोड़ी गहराई में जाएं तो यही लगेगा कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ है अपने कार्य का दायित्व खुद अपने लेना, दूसरे के जिम्मे न सौंपना और जिस देश-काल में मौजूद हैं, उसके प्रति अपने दायित्वों को स्वीकार करना। उसी के विवेक के अनुसार बिना किसी के दबाव के स्वतंत्र निर्णय लेना और उसके अनुसार कार्य करना। ऐसा न हुआ तो स्वतंत्रता उच्छ्रिंखलता का रूप लेने लगेगी । स्वतंत्रता की संस्कृति का आवाहन है कि हम अपने कार्यों का सुचारु निर्वहन करें और उत्कृष्टता के साथ। तभी सृष्टि में संगति बनेगी, रहे तभी रचनात्मकता आएगी, और तभी विकास और उन्नति का लक्ष्य भी सधेगा। भारत को सन 47 में आजादी मिलने के बाद देश ने तीन चौथाई सदी का एक लम्बा सफर पूरा कर अब अमृतकाल में प्रवेश किया है। इस बीच भारत की संप्रभुता को कई बार चुनौतियाँ मिलीं और उन क्षणों में स्वतंत्रता के अनुभव को हम जानने पहचानने की कोशिश करते रहे। इससे लगता है कि एक राजनैतिक इकाई के रूप में अन्य देशों द्वारा स्वीकृति और स्वयं अपनी पहचान को स्वतंत्र देश के रूप में स्थापित करना एक लगातार चौकसी रखने वाली प्रक्रिया है। उसका स्थायित्व बहुत हद तक हमारे अपने दम खम और प्रयास पर निर्भर करता है। स्वतंत्रता सदैव आंतरिक और बाह्य परिस्थितियों के सापेक्ष्य ही संभव होती है और उसके लिए निरंतर प्रयास की भी अपेक्षा होती है। यह बात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पड़ोसी देशों में और दूरदराज की तमाम जगहों पर चल रही छोटी बड़ी उथल-पुथल के संदर्भ में आसानी से देखी जा सकती है। स्वतंत्रता पाने के लिए भारतीय समाज ने बड़ी कीमत अदा की थी। अंग्रेजों के साथ हुई लड़ाई में देश के कोने-कोने से हर भाषा, धर्म, जाति, क्षेत्र और कई विचारधाराओं के लोग शामिल हुए थे । देश के सामने उनकी छोटी अस्मिताएँ आड़े नहीं आ रही थीं और सबने बिना किसी भेद भाव के त्याग और बलिदान किया था । भिन्न-भिन्न पृष्ठभूमि से आने के बावजूद देश भक्तों के बीच आपस में भरोसा था । स्वतंत्रता पाने के साझे के लक्ष्य के स्वीकार के साथ व्यक्तिगत स्वार्थ ऊपर जाकर भारत माता के इन वीर सपूतों ने वीरता की अमर गाथा लिखी। वे तमाम कष्ट झेल कर भी देश के लिए एकाग्र चित्त से काम करते रहे । उनके बलिदानों का सुख बाद के लोग और हम सभी भोग रहे हैं । स्मरणीय है कि उन सबने अंग्रेजों की वंदिनी बनी भारत माता के उद्धार के रूप देशप्रेम की परिकल्पना थी। वन्दे मातरम में मां-बेटे के उस रिश्ते की ध्वनि गूंजती है जिसके बीज हजारों साल पहले वेद में ऋषि की वाणी माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः में निहित भावना में व्यक्त है।]इसमें माँ पहले आती है, वह पूर्व पक्ष है, और उसकी संतान बाद में, वह उत्तर पक्ष है । पुत्र तो जन्म से ही मातृ ऋण से बंधा होता है। यह उस राष्ट्र राज्य (नेशन स्टेट) के मसौदे से उलट है जो कुछ लोग या समुदाय मिल कर अपने उद्देश्य के लिए बनाते हैं। इस व्यवस्था में राष्ट्र या देश बाद में आता है और व्यक्ति पहले। इस सोच में राष्ट्र या देश व्यक्ति या समुदाय के लिए एक संसाधन या उपाय बन जाता है उसका कोई जैविक रिश्ता संकल्पित नहीं होता । उसकी सत्ता उसकी उपयोगिता पर टिकी होती है । देश उन लोगों का होता है, उस पर उनका अधिकार होता है। वे देश के हों, यह उनकी मजी पर निर्भर करता है। आखिर देश उनका अपना निर्णय है और देश को ह्यबिलोंगह्ण करना न करना उनका ह्यच्वायसह्ण है। उन पर देश का कोई ऋण नहीं बनता। पिछले पचहत्तर सालों में हमारी सोच-समझ का नजरिया बदला है। औपनिवेशिक प्रभाव के चलते देश की स्वतंत्रता को लेकर अपने दायित्व के बारे में कुछ भ्रम फैले हैं। हम अधिकार की भाषा ज्यादा जानते हैं। संविधान में नागरिकों को दी गयी स्वतंत्रता को याद रखते हैं पर कर्तव्य भूलते जा रहे हैं। देश हमें क्या दे यह तो याद रहता है पर हम देश को क्या दें, यह भूलता जा रहा है। वर्तमान काल भारतीय समाज के लिए चुनौतियों से भरा हुआ है और पथ-प्रदर्शन के पारम्परिक स्रोत सूख रहे हैं । मीडिया की बैसाखी पर व्यक्तिवाद और भौतिक समृद्धि का आकर्षण खूब फल-फूल रहा है। विचार और कर्म के प्रदूषण का खतरा भी बढ रहा है । नैतिकता और स्वाभाविक कर्तव्य को छोड़ लोग स्वार्थ, लोभ और मुफ़्तखोरी में प्रवृत्त हो रहे हैं । यह परिस्थिति निजी जीवन और समाज की प्रगतिकामी गतिविधियों को बाधित कर रही है। इन सबके चलते नकारात्मकता बढ़ रही है। हम स्वतंत्रता का सतही अर्थ लगा कर अपने लिए छूट पाने के अवसर बनाने लगे। लोग अपने हित के लिए रक्षा कवच के रूप में स्वतंत्रता का उपयोग करने लगे। इन सभी प्रवृत्तियों के पीछे उस भौतिकवादी सोच की भी बड़ी भूमिका है जो भ्रामक और अदूरदर्शी है और जो हमारे अस्तित्व के बड़े सच को झुठलाने वाली है ।

Social Media Corner

सच के हक में...

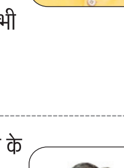

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन भारतवासियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने का अवसर है, जिनका जीवन देश के बंटवारे की बलि चढ़ गया। इसके साथ ही यह दिन उन लोगों के कष्ट और संघर्ष की भी याद दिलाता है, जिन्हें विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर होना पड़ा। ऐसे सभी लोगों को मेरा शत-शत नमन।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

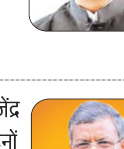

दुमका जिले के सरैयाहाट क्षेत्र स्थित पथरिया गांव में नहाने के दौरान तालाब में डूबने से चार बच्चों की मृत्यु की दु:खद खबर से मर्माहत हूँ। परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

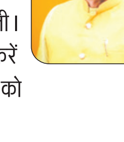

लातेहार के पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष व भाजपा नेता राजेंद्र साहू जी के निधन की सूचना से मन व्यथित है। तीन दिनों पहले अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी थी। निकम्मी हेमंत सरकार की लचर कानून व्यवस्था ने एक और जान ले ली। ईश्वर राजेंद्र साहू जी की दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें व उनके शोकाकुल परिजनों को इस विकट परिस्थिति को सहने की शक्ति प्रदान करें ' ॐ शांति!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

यह विभाजन तो नहीं था

अंग्रेज शासकों ने 'एक भारत' के पूरब और पश्चिम में एक-एक रेखा खींच दी। कह दिया कि एक महादेश दो अलग-अलग देशों में बांट रहे हैं। यानी एक हिस्सा पूरब, एक हिस्सा पश्चिम और बीच में हिंदुस्तान। पूरब और पश्चिम वाले को नाम दिया पाकिस्तान और कहा कि यह मुसलमान भाइयों के लिए है। बीच वाला हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन, ईसाई, यहूदी आदि के लिए छोड़ दिया। यह मोहम्मद अली जिन्ना को भी समझ में नहीं आया कि इतनी जल्दी यह कैसे मिल रहा है। उनकी खुद की सोच थी कि उनके जीते जी पाकिस्तान तो नहीं मिलने वाला। जिन्ना का सपना साकार हो गया और दोनों रेखाओं के भीतर एक-एक राष्ट्रपिता मिल गए। बंटवारे के बाद के पिता। पाकिस्तान के कायदे आजम और हिंदुस्तान के राष्ट्रपिता। यह कोई भी बुद्धिमान बड़ी गहराई से सोच सकता है कि एक महान और महादेश को बांटने के बाद कोई उसका पिता क्यों बन जाता है? कहीं दुनिया में और ऐसा हुआ तो नहीं है। बहरहाल दोनों अंग्रेजी रेखाओं के बीच से मुसलमान समुदाय के लोगों ने दौड़-दौड़ कर घोषित पाकिस्तानी भूमि पर पहले से रह रहे लोगों को खदेड़ना और उनका कत्लेआम शुरू किया और खुद काबिज होने लगे। एक ही दिन पहले तक एक समग्र रहा भू-भाग खंडित होकर लहू से लाल हो रहा था। पाकिस्तानी घोषित भूमि पर सदियों से रह रहे गैर मुसलमान समुदाय फसल की तरह काटा जाने लगा। बहू-बेटियां माल असबाब बनाकर लूटी जाने लगीं। रेलगाड़ियों में भर-भर कर लाशें बचे हुए भारत भूमि पर उतारी जाने लगीं। दोनों अंग्रेजी रेखाओं के पूरब और पश्चिम वाली भूमि पर कब्जे होने लगे। उस समय के सभी हालात लिखने लगें तो बहुत कुछ और भी लिखना पड़ेगा लेकिन आज यह कुछ लिखना इसलिए जरूरी है क्योंकि नई पीढ़ी को कुछ भी पता नहीं है। हम जिसे आजादी कह रहे थे वह केवल देश का विभाजन भर था। लड़ तो रहे थे अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के लिए लेकिन परिणाम मिला कि धरती बांट कर अंग्रेजों ने वह सब कर दिया जिसकी किसी भारतीय ने कभी कल्पना भी नहीं की थी। चक्रवर्ती सम्राटों का भारत वर्ष तीन टुकड़ों में बांट कर कहा गया कि अब भारत स्वाधीन हो गया। यह कैसी स्वाधीनता थी और क्यों यहां वे लोग इस विभाजन को जश्ने आजादी बना कर कबूतर उड़ा रहे थे , यह अभी भी समझ से परे है। आप स्वयं सोचिए, पाकिस्तान नाम पा लेने के बाद भी इस भू-भाग पर अंग्रेज ही शासक रहे। कई प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बना कर समय गुजार देने वाले उस भू-भाग के लिए नौ वर्षों तक कोई संविधान ही नहीं बना। बड़ी मशक्कत से बचे हुए भारत से जाकर वहां का संविधान बनाने वाले योगेंद्र मंडल किसी तरह वहां से जान बचा कर फिर भारत भाग कर आ गए और बंगाल में कहीं रह कर किसी दिन गुमनामी में मर गए। यदि यह वास्तव में कोई विभाजन होता तो उसका कोई प्रारूप भी होता। लोगो के जानमाल की चिंता के साथ स्थानांतरण की कोई व्यवस्था बनी होती। लोगों की सुरक्षा, उनके खेती, कारोबार आदि पर चिंता हुई होती। लेकिन ऐसा तो कुछ हुआ ही नहीं। खास बात यह कि इसका औपचारिक इतिहास लिखने वालों ने कभी किसी सच को भी सामने नहीं आने दिया। दे दी हमें आजादी, बिना खड्ग बिना ढाल, यह गा-गा कर देश और पीढ़ियों को गुमराह किया जाता रहा। यह कभी बताया ही नहीं गया कि अंग्रेजों से आजादी मांगने वाली कथित राजनीतिक आंदोलनकारी अहिंसा वाली टीम ने 1931 के गोलमेज सम्मेलन के बाद कोई आंदोलन किया ही नहीं। 1942 का भारत छोड़ो, केवल नाम का था क्योंकि दुनिया विश्वयुद्ध लड़ रही थी और अंग्रेज शासक को भारतीय सैनिकों की आवश्यकता थी। नेताजी की आजाद हिंद फौज की शक्ति से व्याकुल और विश्वयुद्ध से दरिद्र हो चुकी ब्रिटिश राजशाही के सामने भारत के विशाल भू-भाग पर शासन करने की शक्ति नहीं रह गई थी।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

करीब दो सौ साल तक अंग्रेजों का गुलाम रहने के बाद 15 अगस्त 1947 को हमारा देश आजाद हुआ था। लंबे समय तक हमारे देश के क्रांतिकारी नायकों ने अंग्रेजों से इस देश को मुक्त करने के लिए बड़ी-बड़ी कुर्बानियां दीं। अपने त्याग और बलिदान से इस देश को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद कराया। अंततः 1947 में हमारा देश आजाद हुआ। हमारे देश को आजाद कराने में असंख्य लोगों की भूमिका रही। देश की स्वतंत्रता में योगदान देनेवाले देश के महान नायकों पर हमारे फिल्म इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक गीत बनाये गए हैं। कई ऐसे गीत व गाने हैं जो सुनते ही दिल और दिमाग जोश व जुनून से भर उठता है। स्वतंत्रता सेनानियों समेत देश की सीमाओं की रक्षा करनेवाले वीर सैनिकों पर फिल्माए गए कई गाने काफी लोकप्रिय हुए हैं। जब कानों में लता मंगेशकर की आवाज में ए मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानीङ्क. सुनाई पड़ता है तो रोम-रोम खड़ा हो जाता है। नई पीढ़ी को हमारें वीरों की गाथा से अवगत जरूर कराया जाना चाहिए। साथ ही बहुत से लोग ऐसे रहे जिन्होंने हमारे देश को आजादी दिलाने में काफी आगे बढ़कर काम किया, कुर्बानियां दीं। लेकिन आज उन्हें याद नहीं किया जाता। हमे ऐसे नायकों का दस्तावेजीकरण कर उन्हें वह प्रतिष्ठा दिलाने के लिए प्रयास करना होगा जिसके वे हकदार हैं। देश के कोने-कोने से ऐसे नायकों को तलाशने और उन्हें प्रतिष्ठा दिलाने की जरूरत है।

दयानंद मिश्रा, अध्यक्ष क्षेत्रीय जनविकास परिषद।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

WALK A THON में उमड़ा लोगों का सैलाब, देशभक्ति का दिया संदेश

PHOTON NEWS CHAKRDHARPUR : आजादी के रंग 56 सीकेपी के संग वॉक ए थोन पैदल मार्च सोमवार सुबह चक्रधरपुर शहर में निकाला गया। पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी रीना हांसदा के नेतृत्व में निकाली गई इस पैदल मार्च में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुये। जिसमें शहर के विभिन्न स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अनुमंडल व प्रखंड कार्यालय के अलावे अन्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, सीआरपीएफ 60 बटालियन के अधिकारी व जवान व शहर के विभिन्न सामाजिक संगठन से जुड़े लोग व स्थानीय लोग इस पैदल मार्च का हिस्सा बने।

इसका शुभारंभ चक्रधरपुर की पोटका स्थित संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल के समीप से किया गया। जहां एसडीओ रीना हांसदा, डीएसपी कपिल चौधरी ने बैलून उड़ाकर इसका शुभारंभ किया। पैदल मार्च यहां से निकलकर रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग के इतवारी बाजार, पुराने प्रभात सिनेमा हॉल, रेलवे ओवर ब्रिज, पवन चौक होते हुये मारवाड़ी उच्च विद्यालय के समीप स्थित पोड़ाहाट स्टेडियम में जाकर समाप्त हुई। पैदल मार्च के दौरान लोगों ने लगभग साढ़े चार किमी की दूरी तय की। पोड़ाहाट स्टेडियम पहुंचने पर एसडीओ रीना हांसदा ने स्वीम कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। साथ ही लोगों को मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम से संबंधित जानकारी दी गई।

बैलून उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करती एसडीओ रीना हांसदा। ● फोटोन न्यूज

मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार सिन्हा, अंचलाधिकारी बाल किशोर महतो, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी मनोज कुमार सिन्हा, क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, नगर परिषद् के सिटी मैनेजर अभिषेक राहुल, सीआरपीएफ 60वीं बटालियन के कमांडेंट अर्जुन मित्तल, द्वितीय कमान अधिकारी वी टोनी, डिप्टी कमानडेंट मुकेश पांडेय, नगर परिषद् के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण देव साह, समाजसेवी बलराज हिन्दवार, समाजसेवी विनोद भगेरिया, प्रवीर प्रमाणिक, तजम्मुल हुसैन, बसंत महतो के अलावे बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

तिरंगे से सजाया गया शहर, सामाजिक संगठनों ने कराया जलपान

आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर निकाली गई वॉक ए थोन पैदल मार्च के अवसर पर पूरे शहर को तिरंगे से सजाया गया था। रेलवे के ओवर ब्रिज, पवन चौक, पोड़ाहाट स्टेडियम के अलावे अन्य जगहों को तिरंगा व बैलून से सजाये गया था। वहीं चक्रधरपुर की मारवाड़ी युवा मंच की ओर से पवन चौक पर विशेष साजसज्जा की गई थी। इस दौरान मंच के पदाधिकारियों व सदस्यों ने लोगों के बीच मिठाई, शरबत इत्यादि भी बांटे। वहीं इस वॉक ए थॉन में चक्रधरपुर की नवभारत पब्लिक स्कूल के बच्चें बैंड बाजे के साथ शामिल हुये। पूरे रास्ते देशभक्ति गीत बजता रहा। इस दौरान लोगों में जमकर उत्साह देखा गया।

BRIEF NEWS

सावन की छठी सोमवारी पर भक्तों ने किया जलाभिषेक

NOAMUNDI : सावन के छठे सोमवार पर गुवा के तीनों शिवालयों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। मलमास के कारण शिवालयों में पहले की अपेक्षा कम भीड़ देखी गई। सबसे ज्यादा भीड़ गुवा कुसुम घाट स्थित शिवालय में देखने को मिली। कम भीड़ की वजह से लोगों को जलाभिषेक करने में कोई परेशानी नहीं हुई। गुवा के तीनों शिवालय कुसुम घाट शिवालय, योग नगर शिवालय तथा स्टेशन कॉलोनी के शिवालय में लोगों ने जलाभिषेक किया।

प्रयास एक कदम संस्था ने निकाली भव्य कलश यात्रा

JAMSHEDPUR : प्रयास एक कदम संस्था ने सावन के छठे सोमवार के अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली। यात्रा स्वर्ण रेखा नदी से लाल भट्ठा, हनुमान मंदिर होते हुए भुईयाडीह में सम्पन्न हुई। कलश यात्रा के पूर्व 300 लोगों के बीच साड़ी एवं कलश का वितरण किया गया। संस्था की अध्यक्ष रेनु शर्मा ने अतिथियों को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। सभी महिलाओं ने बोल बम के जयकारे लगाते हुए कतारबद्ध होकर भोले बाबा का जलाभिषेक किया। बबलू झा ने सर्वप्रथम नारी शक्ति को नमन करते हुए कहा कि अधिक मास के छठे सोमवार को जलाभिषेक करना बहुत ही सौभाग्य की बात है। झा ने रेनु शर्मा और उनकी टीम को कलश यात्रा के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी। संस्था ने भोग का भी वितरण किया। कलश यात्रा को सफल बनाने में रेनु शर्मा, प्रशांत यादव, मीना देवी, किशोर सिंह, रितेश घोषाल, गीता सिंह, रीता सिंह, ममता, अंजू, नीतू, अनिल, राजीव शर्मा, अभिषेक शर्मा, नेहा, रिम्पी, अंजना सिंह, विजयलक्ष्मी, कट्टू सेनु, सुजीत ठाकुर और श्रवण शर्मा उपस्थित थे।

दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू, एसडीओ ने किया उद्घाटन

BAHRAGODA : बहरागोड़ा प्रखंड के वीनापाणी पाठागार स्थित मैदान में दो दिवसीय फुटबॉल टूनामेंट का आगाज सोमवार को हुआ। टूनामेंट का उद्घाटन घाटशिला अनुमंडल पदाधिकारी सत्यवीर रजक तथा विशिष्ट अतिथि बहरागोड़ा प्रखंड के अंचल अधिकारी जीतराय मुर्मू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मार कर किया। फुटबॉल टूर्नामेंट का पहला मैच डिफेंस क्लब बेनासोली बनाम लिटिल स्टार फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया। सोमवार को खेले गए पहले मैच में लिटिल स्टार फुटबॉल क्लब ने 1-0 से जीत हासिल की। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि खेल में भी करियर बनाया जा सकता है। यदि हम खेल अनुशासन से खेलें तो खेल के क्षेत्र में भविष्य उज्वल किया जा सकता है। अंचल अधिकारी ने बताया कि खेल हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खेल से शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास होता है। इस मौके पर वीनापाणी पाठागार के अध्यक्ष रंजीत कुमार वाला, चंडी चरण साव, तपेश महापात्र, मानिक मंहाती, तरुण मिश्र, बन बिहारी साव सहित कमेटी के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सोमवारी पर मंदिरों में भक्तों की उमड़ी भीड़ किया जलाभिषेक

KIRIBURU : सावन की छठी सोमवारी पर किरीबुरू स्थित लोकेश्वर मंदिर, मां काली मंदिर, ॐ शांति स्थल मंदिर समेत तमाम मंदिरों व शिवालयों में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। किरीबुरु स्थित लोकेश्वर मंदिर में किरीबुरू के सीजीएम कमलेश राय की पत्नी सह महिला समिति किरीबुरू की अध्यक्ष सुनीता राय ने अन्य भक्तों के साथ कतार में लगकर भगवान शंकर समेत तमाम देवी देवताओं की पूजा-अर्चना की। दूसरी तरफ लोकेश्वर मंदिर में मेन मार्केट की जनता तथा मां काली मंदिर में विद्युत विभाग के सेलकर्मियों की तरफ से भक्तों के लिये खिचड़ी व अन्य महाभोग का आयोजन किया गया है। इस दौरान पंडित आलोक मिश्रा द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना की जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर थाना प्रभारी ने बच्चों को दिया फुटबॉल

PHOTON NEWS NOAMUNDI : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुवा थाना प्रभारी अनिल कुमार यादव ने खेल को बढ़ावा देने के लिए हिरजीहाटिंग के बच्चों को फुटबॉल वितरण किया। इस दौरान थाना प्रभारी अनिल कुमार यादव ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलना भी बहुत जरूरी है। खेलने से मन के साथ-साथ शरीर भी स्वस्थ रहता है। आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। खेल के माध्यम से बच्चे अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं। बच्चे फुटबॉल पाकर काफी खुश दिखे। साथ ही बच्चों ने फुटबॉल देने के लिए थाना प्रभारी का आभार प्रकट किया।

बच्चों को फुटबॉल देते थाना प्रभारी।

नक्सलियों के गढ़ में सीआरपीएफ के जवानों ने निकाली तिरंगा यात्रा

PHOTON NEWS KIRIBURU : सारंडा का थोलकोबाद कभी नक्सलियों की राजधानी हुआ करती थी। उसी थोलकोबाद में सीआरपीएफ-26 बटालियन के पदाधिकारी व जवान मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत आज शान से तिरंगा लहरा रहे है। आजादी का अमृत महोत्सव पर मेरी माटी मेरा देश भियान के तहत कमलेन्द्र प्रताप सिंह, कमांडेंट 26 बटालियन सीआरपीएफ के निदेशार्नुसार एमके चौरसिया, सहायक कमांडेंट, डी / 26 बटालियन, थोलकोबाद के नेतृत्व में सभी जवानों ने मेरी माटी मेरा देश पंचप्राण की शपथ ली।

जवानों ने निकाली मोटरसाइकिल रैली : हर घर तिरंगा अभियान के तहत सीआरपीएफ ने थोलकोबाद में स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को तिरंगा ध्वज वितरण किया। इस दौरान सहायक कमांडेंट एमके चौरसिया ने बच्चों व ग्रामीणों को स्वतंत्रता दिवस एवं पौधरोपण के महत्त्व को समझाया। तत्पश्चात थोलकोबाद में मोटरसाइकिल रैली निकालकर ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। जवानों ने ग्रामीणों को तिरंगा देकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की अपील की। इस दौरान तिरंगा के सम्मान व देशभक्ति का जज्बा बच्चों और ग्रामवासियों में जगाया गया।

रैली में सीआरपीएफ के शामिल जवान व ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

नक्सली काला झंडा फहराते थे : उल्लेखनीय है कि लगभग एक दशक पूर्व तक सारंडा जंगल का थोलकोबाद क्षेत्र नक्सलियों की राजधानी थी। इस क्षेत्र के स्कूलों व गांवों में नक्सली स्वतंत्रता एवं गणतंत्र दिवस के दिन उल्टा तिरंगा व काला झंडा फहराकर ग्रामीणों को देश विरोधी कार्य में झोंकते थे। लेकिन सीआरपीएफ की पराक्रम व बलिदान ने इस जंगल को नक्सलियों से लगभग मुक्त कर दिया है एवं सभी क्षेत्रों में तिरंगा शान से लहरा रहा है।

महिला कॉलेज चाईबासा ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली स्कूटी रैली

PHOTON NEWS CHAIBASA : महिला कॉलेज चाईबासा के एनएनएस की ओर से हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को स्कूटी रैली निकाली गई। प्राचार्या प्रीतिबाला सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली पोस्ट ऑफिस चौक, कोर्ट रोड, बस स्टैंड से होते हुए वापस महिला कॉलेज चाईबासा पहुंची।

लोगों को झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित किया गया : इस अवसर पर एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. अर्पित सुमन टोप्पो ने बताया कि भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में लोगों को अपने घर पर तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए तिरंगे के साथ स्कूटी रैली निकाली गई। इस अवसर पर मोबारक करीम हाशमी, धनंजय कुमार, सितेंद्र रंजन सिंह और बीएड सेमेस्टर-1 और सेमेस्टर-4 की छात्राएं उपस्थित थी।

स्कूटी रैली में शामिल एनएनएस की छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

मलमास शिवारात्री : महादेवसाल सहित विभिन्न शिवालयों में उमड़ी शिव भक्तों की भीड़

PHOTON NEWS MANOHARPUR : मिनी बाबा धाम के नाम से विख्यात महादेवसाल व मनोहरपुर, आनंदपुर अंचल क्षेत्र अंतर्गत सावन माह के छठे सोमवार और मलमास शिवरात्री को विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही बाबा भोले नाथ के जलाभिषेक हेतु शिवभक्तों का तांता लगा रहा। शिवालयों में बोल बम, हर हर महादेव से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। इस दौरान मनोहरपुर संत नरसिंह आश्रम स्थित पतालेश्वर नाथ महादेव एवं मणिनाथ महादेव, कोलभंगा महादेव, गोपेश्वर महादेव आनंदपुर मुनि टूंगरी महादेव, समीज पालीपोष झाड़ेंश्वर महादेव एवं छोटानागरा स्थित नगड़ा महादेव आदि शिवालयों में रूद्राभिषेक पूजन समेत विभिन्न पूजा अनुष्ठान आदि का आयोजन हुआ। शिव भक्ति में लीन श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ का पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

महादेवसाल मंदिर में जलाभिषेक के लिए उमड़ी शिव भक्तों की भीड़। ● फोटोन न्यूज

सावन माह शिवभक्ति के लिए सर्वोतम : आचार्य पंडित मथुरानंद तिवारी ने बताया कि सावन माह के सोमवारी को भगवान भोलेनाथ की पूजा करने से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है, साथ-साथ हर संकट से मुक्ति मिलती है। यह महीना शिवभक्ति के लिए सर्वोतम माना गया है। विशेषकर सुहागन महिलाओं को भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा आराधना से अखंड सौभाग्य एवं सुख, शांति समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मोबाइल टावर से कीमती उपकरण की चोरी

PHOTON NEWS KIRIBURU : सेल की गुआ लौह अयस्क खदान के अंदर ऊंची पहाड़ी पर लगा मोबाइल टावर से डीजी सेट के कुछ कल-पूर्जे की चोरी करने का मामला सामने आया है। यह घटना रविवार मध्य रात्रि की बताई जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार कुछ अज्ञात चोर डीजी सेट के अंदर से तांबे का सामान चोरी करने के लक्ष्य के साथ आये थे। लेकिन डीजी सेट में तांबा नहीं होने के बाद वह डीजी सेट को नुकसान पहुंचा कर फरार हो गये। यह टावर खदान के अंदर विद्युत विभाग के एक सेंटर क्षेत्र के बगल में स्थित बताया जा रहा है। इस मोबाइल टावर की सुरक्षा प्राइवेट सुरक्षा गार्ड के अधीन है। जबकि पूरे खदान की सुरक्षा का दायित्व सीआईएसएफ के अधीन है। सूत्रों अनुसार सीआईएसएफ भी इस मामले की जांच अपने स्तर से कर रही है।

क्षतिग्रस्त किया गया मोबाइल टावर। ● फोटोन न्यूज

क्षेत्र में स्क्रैप चोरी की घटना बढ़ी : उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ माह से पूरे क्षेत्र में स्क्रैप की चोरी की घटना बढ़ी है। सेल की गुवा, किरीबुरु, मेघाहातुबुरु खदान के अलावे टाटा स्टील की खदानें भी इससे अछूता नहीं है। कुछ स्क्रैप माफिया वैद्य अथवा अवैध तरीके से जीएसटी नम्बर प्राप्त कर भारी पैमाने पर बेरोजगार व गरीब युवाओं से स्क्रैप की चोरी कराकर उन्हें अपराध के रास्ते पर धकेल रहे हैं। स्क्रैप चोरों से सारा शहर व सभ्य समाज परेशान है। ये चोर गैस कटर, वाहन व अन्य संसाधन से लैस रहते हैं।

नीमडीह विद्यालय में बाल संसद का गठन, अध्यक्ष बनी पार्वती कालुंडिया

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय नीमडीह में विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में बच्चों को सक्रिय बनाने के लिए बाल संसद का गठन किया गया। बाल संसद की अध्यक्ष पार्वती कालुंडिया चुनी गई और प्रधानमंत्री शारता चातोम्बा को बनाया गया। जबकि कविता बोयपाई उप प्रधानमंत्री चुनी गई। जोसफिन बारी स्वास्थ्य मंत्री, सोनम पूर्ति उपस्वास्थ्य मंत्री, नागुरी बारी स्वच्छता मंत्री, लालमोती बारी उपस्वच्छता मंत्री, लखन कालुंडिया सुरक्षा एवं न्याय मंत्री, सुधीर गोप उपसुरक्षा एवं न्याय मंत्री, मोहनसिंह कालुंडिया उपस्थिति मंत्री, शंकर गोप उप-उपस्थिति मंत्री, प्रिया गोप पोषण मंत्री, सावित्री गोप उप -पोषण मंत्री, रानी कुंटिया शिक्षा मंत्री, रोहित सेट्ठी उप शिक्षा मंत्री बनें।

बाल संसद के साथ शिक्षक। ● फोटोन न्यूज

शर्मिला बुड़ीउली कौशल विकास मंत्री, सचिनंद बारी उप-कौशल विकास मंत्री, सोनामुनी बारी पर्यावरण मंत्री, लक्ष्मी बानरा उप पर्यावरण मंत्री,अन्ना बारी खेलकूद एवं संस्कृति मंत्री, प्रकाश बोयपाई उप खेलकूद एवं संस्कृति मंत्री,अमन बारी सूचना एवं सम्पर्क विभाग मंत्री शकुंतला बोदरा को बनाया गया। सभी बाल संसद मंत्रियों को शिक्षक और शिक्षिकाओं ने दायित्वों की जानकारी दी। मौके पर सुशील कुमार सरदार, गंगाराम लागुरी, कुंती बोदरा, एलिस बेक,कल्पना गोराई, सुकांति गोप,बोनी गाइन और सुमित्रा बारी द्वारा बैज पहनाकर स्वागत किया गया और प्रधान शिक्षक कृष्णा देवगम उपस्थित थे

गणेश मेला के भव्य आयोजन को लेकर रंजीत यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक

मनोहरपुर में धूमधाम से मनाना जायेगा गणेशोत्सव

PHOTON NEWS MANOHARPUR : विघ्नविनाशक गणेश मन्दिर मनोहरपुर परिसर में सोमवार को गणेशोत्स्व सह गणेश मेला के भव्य आयोजन को लेकर एक बैठक बुलाई गई। बैठक रंजित यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विचार-विमर्श के उपरांत निम्न प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें सर्वसम्मति से 18 सितंबर से आयोजित दस दिवसीय गणेश पूजा सह गणेश मेला धुमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही समिति के सदस्यों को पिछले वर्ष के आय-व्यय के बारे में जानकारी दी गई। दस दिवसीय मेले के आयोजन को सफल बनाने की रूपरेखा बनाई गई एवं इसके लिए नई समिति का पुनर्गठन कर सदस्यों को ज़िम्मेदारी दी गई।

बैठक में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

बिजली झूला, ड्रैगन ट्रेन रहेगा आकर्षण का केन्द्र : गणेश पूजा मेले का मुख्य आकर्षण विभिन्न प्रकार के बिजली झूला, ड्रैगन ट्रेन, मौत का कुंआ आदी तथा विभिन्न प्रकार के दुकानों के स्टॉल लगाने के लिए डेकोरेटर एवं मेला ऑनरों को भी आमंत्रित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। आयोजन में शामिल होने के लिए जगतगुरु शंकराचार्य समीज आश्रम मन्दिर के महंत के अलावा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्य लोगों को आमंत्रित करने एवं सम्मानित करने का भी निर्णय लिया गया है।

बैठक में आयोजन समिति के संरक्षक सह मुख्य आयोजनकर्ता रंजित यादव, विश्वशीलविभव उर्फ ब्बू श्रीवास्तव, अश्वनी बघेल, राजेश राउत, हीरालाल नायक, रवींद्र कुमार, लखींद्र दास, राजेश सिंह, पिंकी डागा, भवेश महतो, दीपक उपाध्याय, अनिल उर्फ. नटवर लाल अग्रवाल, सुशील सिंह, उमेश सोनी, सन्नी गुप्ता, जगन्नाथ साहु, मिथलेश पांडे, पंकज कुमार, संजय यादव, लालू मंडल, बजरंग गुप्ता, विजय साहु समेत दर्जनों समिति के सदस्य उपस्थित थे।

सोमवारी पर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का किया जलाभिषेक

भगवान शिव का जलाभिषेक करते भक्त। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पुरुषोत्तम मास के अंतिम सोमवारी पर शहर और उसके आसपास के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। हालांकि मंदिरों में ज्यादा भीड़ नहीं रही। सोमवार सुबह से ही श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए पहुंच रहे थे। मंत्रोच्चार के साथ लोगों ने भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र भी जढ़ाया। जैसे-जैसे दिन बढ़ेगा इस तरह से श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए मंदिर में आते रहेंगे।

विश्व चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल 25-26 अगस्त को पटियाला में; किसी भी पहलवान को छूट नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कुश्ती का संचालन कर रही तदर्थ समिति ने सोमवार को बताया कि विश्व चैम्पियनशिप के लिए 25 और 26 अगस्त को पटियाला में ट्रायल का आयोजन होगा जिसमें किसी भी पहलवान को छूट नहीं मिलेगी। एशियाई खेलों के ट्रायल से बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को दी गई छूट से भारी हंगामा हुआ था और कुश्ती जगत के अधिकांश लोगों ने तदर्थ समिति के इस फैसले की आलोचना की थी।

समिति ने 16-24 सितंबर तक बेलग्रेड में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में किसी भी पहलवान को छूट नहीं देने की घोषणा की। विश्व चैम्पियनशिप के लिए खिलाडियों के चयन के लिए तय मानदंडों में तदर्थ पैनल ने कहा, '2022 और 2023 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय/ रैंकिंग/ एशियाई/ विश्व चैंपियनशिप/ राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता और प्रतिभागी के अलावा 2021 तोक्यो ओलंपिक खेलों के प्रतिभागी इस ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं।'

बजरंग और विनेश ने अभी तक इस ट्रायल में शामिल होने का मन नहीं बनाया है क्योंकि उनका मानना है कि 23 सितंबर से शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेल बहुत करीब हैं। विश्व चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए पहली क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। खिलाड़ियों के नामों की प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तारीख 16 अगस्त है लेकिन भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) चुनावों को लेकर अनिश्चितता के कारण समय सीमा बढ़ाने के भारत के अनुरोध को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है।

तदर्थ समिति के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा ने बताया, 'यह एक ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट है इसलिए हम ट्रायल में और देरी नहीं कर सकते थे। इससे भारत की प्रविष्टियां खारिज कर दी जाती।' तदर्थ समिति इससे पहले 10 अगस्त को ट्रायल का आयोजन करना चाहता था लेकिन 12 अगस्त को डब्ल्यूएफआई के चुनावों के मद्देनजर उसने अपना फैसला पलट दिया। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को इन चुनावों पर रोक लगा दी और मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी। तदर्थ समिति से जारी बयान के मुताबिक, 'खिलाड़ियों का वजन स्पर्धा के दिन सुबह सात बजे होगा और उन्हें दो किलो की छूट दी जाएगी।' ट्रायल निम्नलिखित श्रेणियों में आयोजित किया जाएगा।

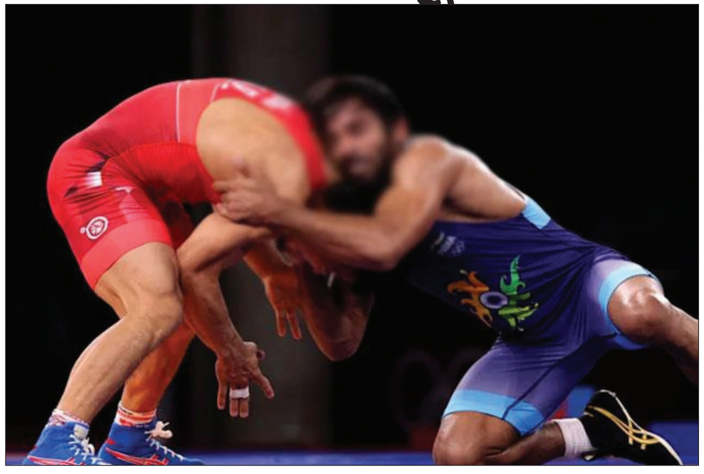

पुरुष फ्रीस्टाइल : 57 किग्रा, 61 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा, 74 किग्रा, 79 किग्रा, 86 किग्रा, 92 किग्रा, 97 किग्रा और 125 किग्रा।

ग्रीको-रोमन : 55 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 67 किग्रा, 72 किग्रा, 77 किग्रा, 82 किग्रा, 87 किग्रा, 97 किग्रा और 130 किग्रा।

महिला कुश्ती : 50 किग्रा, 53 किग्रा, 55 किग्रा, 57 किग्रा, 59 किग्रा, 62 किग्रा, 65 किग्रा, 68 किग्रा, 72 किग्रा और 76 किग्रा।

ल्यूडमिला सैमसोनोवा को हराकर जेसिका पेगुला ने का खिताब जीता

मांट्रियल। (एजेंसी)। जेसिका पेगुला ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 6-1, 6-0 से करारी शिकस्त देकर नेशनल बैंक मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता जो डब्ल्यूटीए टूर में उनकी तीसरी खिताबी जीत है। अमेरिका की 29 वर्षीय खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त पेगुला ने कहा,'' हम टूर्नामेंट जीतने के लिए हर सप्ताह दौरे पर होते हैं लेकिन टेनिस बड़ा कड़ा खेल है जहां आपको लगातार हार का सामना करना पड़ सकता है।

इस तरह की खिताबी जीत आपको और टूर्नामेंट जीतने के लिए प्रेरित करती है।'' पेगुला ने सैमनसोवा को केवल 49 मिनट में हराया। इससे पहले रूस की 15वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सैमनसोवा ने बारिश से बाधित सेमीफाइनल मेंकजाकिस्तान की तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को 1-6, 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

हार्दिक पंड्या ने हार की जिम्मेदारी ली, कहा अंतिम 10 ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाया

लॉडरहिल। (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में हार के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराते हुए स्वीकार किया कि उनकी धीमी बल्लेबाजी टर्निंग प्वाइंट साबित हुई जिसके कारण टीम अंतिम 10 ओवरों में लय खो बैठी। वेस्टइंडीज ने आठ विकेट से यह मैच जीतकर श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की। यह पंड्या की अगुवाई में पहला अवसर है जबकि भारत ने सबसे छोटे प्रारूप में द्विपक्षीय श्रृंखला गंवाई। पंड्या ने 18 गेंदों पर 14 रन बनाए।

उन्होंने मैच के बाद कहा,'' हमने अंतिम 10 ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरा तो मैंने क्रीज पर पांव जमाने में समय लिया और फिर अंत तक नहींटिका रहा। मैं फायदा नहीं उठा पाया।'' पंड्या ने धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा,'' मेरा मानना है एक टीम के तौर पर हमें खुद को चुनौती पेश करनी चाहिए। हम इन मैचों से सीख लेते हैं। आखिरकार यहां या वहां एक श्रृंखला मायने नहीं रखती लेकिन लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण होती है।'' पंड्या ने कहा,'' हमें अब वनडे विश्वकप में खेलना है और कई बार हारना अच्छा होता है। इससे आपको काफी सीख मिलती है।

एशिया कप के लिए नेपाल की 17 सदस्यीय टीम का ऐलान, रोहित पौडेल को कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल क्रिकेट बोर्ड ने आगामी एशिया कप 2023 के लिए टीम की घोषणा कर दी है। नेपाल इतिहास में पहली बार एशिया कप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। वहीं टीम की कमान रोहित पौडेल के कंधों पर होगी। एसीसी प्रीमियर कप जीतने के बाद टीम ने एशिया कप के लिए क्वालिफाई किया था। नेपाल ने फाइनल में यूएई को हराया था।

वहीं एशिया कप में नेपाल 30 अगस्त को मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके अलावा नेपाल टीम का पाकिस्तान में एक शिविर होगा जहां वो तैयारी करेंगे। इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण होगा। नेपाल में क्रिकेट का हाल के दिनों में तेजी से विकास हुआ है।

आसिफ शेख, कुस भुर्टेल और कुशल मल्ला, संदीप लामिछाने, कारण केसी और सोमपाल कामी सहित सभी वरिष्ठ खिलाड़ी टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं।

एशिया कप के लिए नेपाल टीम

रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, कुशल भुर्टेल, ललित राजबंशी, भीम सार्की, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह देरी, संदीप लामिछाने, करण केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, आरिफ शेख, प्रतीस जीसी, किशो महतो, संदीप जोरा, अर्जुन सऊद और श्याम ढकाल।

यानिक सिनर ने अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता

टोरंटो। यानिक सिनर ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में एलेक्स डी मिनौर को 6-4, 6-1 से हराकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। इटली के सातवीं वरीयता प्राप्त 21 वर्षीय खिलाड़ी सिनर के करियर का यह आठवां एटीपी खिताब है। उन्होंने इससे पहले मॉन्टपलियर में भी खिताब जीता था। वह मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने वाले इटली के दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले फैबियो फोगनिनी ने मॉन्टेकार्लो में मास्टर्स 1000 खिताब जीता था। सिनर ने मैच के बाद कहा,''

यह खिताब मेरे लिए काफी मायने रखता है। इसे मैं अपने करीबी लोगों के साथ साझा कर सकता हूं। इस परिणाम से हम अच्छा महसूस कर रहे हैं और इससे हमें भविष्य के लिए और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी।'' सिनर ने यह मैच 90 मिनट में जीता और इस बीच उन्होंने पांच बार डी मिनौर के सर्विस तोड़ी।

टीम इंडिया की हार पर बरसे वेंकटेश प्रसाद

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली 3-2 से हार के बाद मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर आलोचना की है। प्रसाद ने टी20 सीरीज में हार के बाद भारतीय टीम के साथ ही द्रविड़ की रणनीति पर भी सवाल उठाये हैं। प्रसाद ने एक के बाद एक ट्वीट् करके पंड्या और द्रविड़ की आलोचना की। उनका मानना है कि टीम प्रबंधन ने जिस तरह से पूरी स्थिति से निपटने का प्रयास किया, वह सही नहीं था। साथ ही कहा कि सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए इस भारतीय टीम में जीत की जो भूख होनी चाहिये वह नजर नहीं आई है। प्रसाद ने कहा , केवल 50 ओवर ही नहीं, वेस्टइंडीज पिछले अक्टूबर-नवंबर में टी20 विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर पायी और ये देखकर हम निराश हैं कि उस टीम से भी हम हार गये। साथ ही कहा कि देखकर दुख होता है कि भारत खराब प्रदर्शन करता है और प्रक्रिया की आड़ में

इसे दबा दिया जाता है। जीत के लिए जरुरी भूख, आग गायब है और हम भ्रम में बने रहते हैं। वेंकटेंशन ने साथ ही कहा, वे द्रविड़ और हार्दिक पराजय के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें जवाबदेह होने की जरूरत है. प्रक्रिया और ऐसे शब्दों का अब दुरुपयोग होता है। चयन में भी कोई निरंतरता नहीं दिखाई दे रही है, बेतरतीब चीजें बहुत ज्यादा हो रही हैं।वेंकटेश कहते हैं, भारत को अपने दक्ष्यता में सुधार करने की जरूरत है। उनमें भूख और तीव्रता की कमी है और अक्सर कप्तान अनजान दिखते हैं। गेंदबाज बल्लेबाजी नहीं कर सकता, बल्लेबाज गेंदबाजी नहीं कर सकता। यह अहम है कि आप हां में हां मिलाने वाले लोगों की खोज में ना रहें और अंधे न बनें क्योंकि कोई आपका पसंदीदा खिलाड़ी है, बल्कि बड़े पैमाने पर अच्छाई देखें।

विदेशी लीग्स में खेलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना ही भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। महिला फुटबॉल विश्व कप में भारतीय टीम भले की क्वालीफाई नहीं कर पाए हो लेकिन बीते सालों में टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इसमें कुछ खिलाड़ियों का खास योगदान रहा है जिन्होंने भारतीय महिला फुटबॉल टीम की तस्वीर बदलने में मदद की है। इसमें आशालता देवी, बाला देवी और अदिति चौहान मुख्य हैं।

आशालता देवी ने फुटबॉल के लिए अपने परिवार से मिली यातनाओं का सामना किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें फुटबॉल खेलने पर परिवार सजा भी देता था जिस कारण उन्हें फुटबॉल से कुछ समय के लिए दूरी भी बनानी पड़ी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आज आशालता एशिया की बेस्ट डिफेंडरों में शामिल हैं।

विदेशी लीग्स से जुड़ा नाता

अदिति चौहान इंग्लिश लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं।

बाला देवी यूरोपियन प्रोफेशनल फुटबॉल लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं।

मनीषा क्लयाण यूएफा वीमेन्स चैंपियन लीग में खेलने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं।

ऐसे होता है नेशनल टीम में चयन

शुरूआत स्कूली स्तर से होती है। सीबीएसई टूर्नामेंट, एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) और रिलायंस टूर्नामेंट में भाग लिया जा सकता है। जूनियर नेशनल्स भी एक रास्ता है।

स्टेट टीम के ट्रॉयल में सिलेक्शन के बाद नेशनल लेवल तक पहुंचा जाता है। स्टेट लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंडर-15, 16 और 19 नेशनल टीम में जगह बनाते हैं।

इंडियन वीमेन्स लीग में आने के दो रास्ते हैं। पहला स्टेट लीग का चैम्पियन बनकर और दूसरा आईडब्ल्यूएल क्लब के ट्रायल देकर। सीनियर टीम आईडब्ल्यूएल से ही बनाई जाती है। ऐसे में आईडब्ल्यूएल में खेलना जरूरी है।

जीव मिल्खा सिंह इवन पार का स्कोर करने के बावजूद शीर्ष 10 में बरकरार

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर जीव मिल्खा सिंह यहां लीजेंड टूर ट्रॉफी के दूसरे दौर में इवन पार का स्कोर करने के बावजूद शीर्ष 10 में बने हुए हैं। जीव ने संयुक्त छठे स्थान से दूसरे दौर की शुरुआत की। उन्होंने पहले और तीसरे होल में बर्डी लगाकर अपनी स्थिति में सुधार किया लेकिन 10वें और 14वें होल के बीच तीन बोगी करने से वह नीचे खिसक गए। भारत के इस 51 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने 17वें होल में बर्डी बनाई जिससे उनका स्कोर इवन पार हो गया। पहले दो दौर के बाद जीव का कुल स्कोर चार अंडर 144 है और वह संयुक्त नौवें स्थान पर हैं। अभी एक दौर का खेल होना बाकी है। स्वीडन के जोकिम हेगमैन (66-68) ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है।

सैमसन 6000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के क्लब में शामिल

फ्लोरिडा । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पांचवें और अंति मैच में दो रन बनाने के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपने 6000 रन पूरे कर लिए। सैमसन को पिछले दो मैचों में बल्लेबाजी नहीं मिली थी। उन्हें अपने 6000 रन पूरे करने के लिए केवल दो रनों की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में बना लिए। इसी के साथ ही सैमसन टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले 13वें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। सैमसन को ये आंकड़ा हासिल करने के लिए इस सीरीज में 21 रनों की जरुरत थी। पहले दो मैचों में 12 और 7 रन बनाने वाले सैमसन के लिए हालांकि ये सीरीज अच्छी नहीं रही। सैमसन अब पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, सुरेश रेना, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव और शिखर धवन जैसे उनन 13 खिलाड़ियों में शामिल हो गए जिन्होंने टी20 में 6000 रन बनाये हैं। टी20 में सबसे ज्यादा रन वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 14,562 रन रन हैं। वहीं भारत की ओर से विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 11965 रन बनाये हैं जबकि रोहित शर्मा ने 11035 रन बनाये हैं।

विश्वकप के लिए स्टोक्स की वापसी का प्रयास कर रहे बटलर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर 2019 एकदिवसीय विश्कप में टीम को जीत दिलाने वाले स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की वापसी चाहते हैं। स्टोक्स ने पिछले साल ही एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में जिस प्रकार हाल ही में स्पिनर मोइन खान की एशेज के लिए वापसी हुई थी। ठीक उसी प्रकार स्टोक्स की भी विश्वकप के लिए वापसी को सकती है। टीम के कप्तान जोस बटलर स्वयं स्टोक्स को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में इंगलैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। गत 2019 क्रिकेट विश्व कप में भी टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला गया था। ऐसे में एक बार फिर से यह मुकाबला रोमांचक होने की संभावना है। इसी को देखते हुए इंग्लैंड टीम प्रबंधन चाहता है कि स्टोक्स जैसे शानदार खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाना चाहिये।

टीम के कोच मैथ्यू मॉट ने कहा कि वापसी को लेकर बटलर सहित कुछ और लोग स्टोक्स से बात करेंगे। मॉट ने कहा कि हम देखेंगे कि क्या वह खेलने के लिए उत्सुक है। वह क्या फैसला करता है ये हमें नहीं मालूम पर हमें अभी भी उम्मीद है। मॉट बोले, मैंने हमेशा कहा है कि उसकी गेंदबाजी एक बोनस होगी, बल्ले से वह अभी भी मैच पलट देता है। मॉट ने टीम के लिए स्टोक्स की क्षमताओं को लेकर कहा कि पूरी एशेज सीरीज के दौरान उन्हें देखकर ऐसा लगा कि उनकी उपस्थिति बहुत अच्छी थी। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट में उसने कई साल तक बेहतरीन खेल दिखाया है।

कमाई में भी पीछे नहीं राहुल, 99 करोड़ है नेटवर्थ

बेंगलुरु । टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल अपने खेल के साथ ही कमाई में भी पीछे नहीं हैं। कर्नाटक से खेलते हुए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले राहुल की कुल नेटवर्ट 99 करोड़ रुपए है। दाएं हाथ के बल्लेबाज राहुल घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक की ओर से खेलते हैं। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में वह लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के कप्तान हैं। उनका वार्षिक वेतन 2.4 मिलियन (करीब 20 करोड़ रुपए) है। बीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध होने के कारण उन्हें ये राशि मिल रही है। वहीं उनकी अनुमानित कुल संपत्ति 12 मिलियन (करीब 120 लाख रुपये) है। वह कई ब्रॉड से भी जुड़े हैं जहां से भी उन्हें काफी राशि मिलती है। वह बोट, बियर्डो, प्यूमा, एनयूएमआई, रेड बुल, टाटा नेक्सन और भारत पे के लिए विज्ञापन करते हैं। उन्हें कारोबार से भी 1.5 मिलियन (करीब 15 करोड़ रुपये की आय होती है जबकि उनकी मासिक आय 1.5 मिलियन (15 करोड़) है। उनके पास कई कारों के साथ ही घर भी हैं। इसके अलावा उनके पास गोवा में एक विला भी है। खेल की बात करें तो राहुल रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक लगाने वाले कर्नाटक के पहले खिलाड़ी हैं। राहुल के नाम अपने पहले ही मैच में शतक का रिकार्ड है। ये शतक उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया था। 2016 में राहुल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बने थे। उन्हें 2018 में विजडन इंडिया अलमनैक के छठे संस्करण में क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला था।

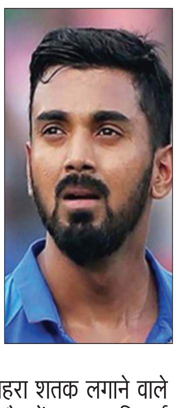

24 साल बाद ऑस्ट्रेलिया रच सकती है इतिहास, मेजबान विश्व विजेता बनने का सुनहरा मौका

गुवाहाटी (एजेंसी)। मौजूदा समय में फीफा विमेंस वर्ल्ड कप खेला जा रहा है। वहीं इस बार 24 साल बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने इतिहास रचने का मौका है। दरअसल, बीते 24 सालों से कोई भी मेजबान देश अब तक विश्व चैंपियन नहीं बन सका है। 1999 में अमेरिका ने ये उपलब्धि अपने नाम की थी। इसलिए इस बार ये इतिहास दोहराने का मौका ऑस्ट्रेलिया के पास है। हालांकि, सेमीफाइनल में उसके सामने बेहद मजबूत यूरोपियन चैंपियन इंग्लैंड है। जो 2003 की उपविजेता रही है।

बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया इस वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के साथ सह- मेजबान है। आखिरी बार मेजबान टीम फीफा महिला वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में 2003 में पहुंची थी। जो कि अमेरिका थी। अमेरिका ने 1999 और 2003 वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। जिसके बाद 1999 में वो विजेता बनीं और 2003 में चौथे स्थान पर रही।

वहीं अब ऑस्ट्रेलिया 20 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली मेजबान टीम बनी है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में सबसे कम रैंकिंग 12 है, लेकिन उसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस जैसी टीम को पेनाल्टी शूटआउट में 7-6 से पराजित किया।

इंग्लैंड की कोचिंग सरीना विगमैन के हाथों में

सिडनी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले को देखने के लिए 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। इंग्लैंड की टीम की कोच सरीना विगमैन हैं और वो चारों टीमों में एकमात्र महिला कोच हैं। विगमैन का रिकॉर्ड बेहद शानदार है। उनकी कोचिंग में पिछले 37 मैचों में इंग्लैंड ने सिर्फ एक मैच हारा है, लेकिन ये हार भी उसे चार महीने पहले ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-2 से देखने को मिली थी।

इसके अलावा स्वीडन सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में सर्वोच्च रैंकिंग तीन की टीम है। ये टीम 2003 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची और 2011, 2019 में तीसरे स्थान पर रही। टोक्यो ओलंपिक के फाइनल में उसे कनाड़ा के हाथों फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं स्वीडन का सामना अब मंगलवार को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली स्पेनिश टीम से होगा।

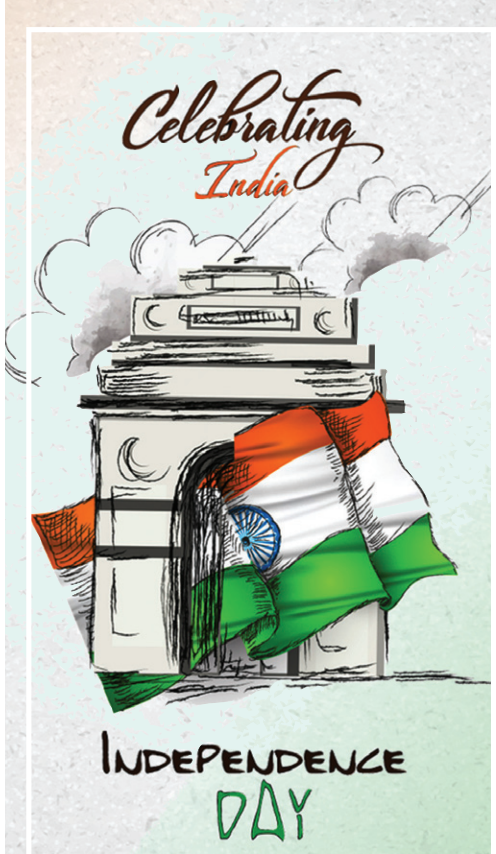

वंदे मातरम की अमर गाथा, एक गीत जो पवित्र ऋचा बन गया

वन्दे मातरम!
सुजलाम, सुफलाम मलयज-शीतलाम
शस्यश्यामलाम मातरम
वन्दे मातरम
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम
सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम
सुखदाम, वरदाम, मातरम!
वन्दे मातरम वन्दे मातरम

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- 'वंदे मातरम'। आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी

बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम् का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। 'वंदे मातरम' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गई पर 'वंदे मातरम्' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है। 'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला। इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम्' लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी। 1875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति 'कमलाकांतेर दफ्तर' के कमलकांत की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर-गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से 'वंदे मातरम्' शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है।

1896 में कलकत्ता में काँग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको? गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया। यह भी माना जाता है कि बंकिम बाबू एक कीर्तनकार द्वारा गाए गए एक कीर्तन गीत 'एसो एसो बंधु माघ आँचरे बसो' को सुनकर बेहद प्रभावित हुए। गीत सुनकर गुलामी की पीड़ा का उन्होंने तीव्र रूप से अनुभव किया। इस एक गीत ने भारतीय युवकों को एक नई दिशा-प्रेरणा दी, स्वतंत्रता संग्राम का महान उद्देश्य दिया। मातृभूमि को सुजलाम्-सुफलाम बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम।' इन दो शब्दों ने देश को आत्मसम्मान दिया और देशप्रेम की सीख दी। हजारों वर्षों से सुप्त पड़ा यह देश इस एक गीत से निद्रा से जाग उठा। तो ऐसी दिलचस्प कहानी है वंदे मातरम गीत की।

भारत का स्वतंत्रता दिवस

आजादी यह एक ऐसा शब्द है जो प्रत्येक भारतवासी की रगों में खून बनकर दौड़ता है। स्वतंत्रता हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। तुलसीदास जी ने कहा है 'पराधीन सपनेहुं सुखनाहीं' अर्थात पराधीनता में तो स्वप्न में भी सुख नहीं है। पराधीनता तो किसी के लिए भी अभिशाप है। जब हमारा देश परतंत्र था उस समय विश्व में न हमारा राष्ट्रीय ध्वज था, न हमारा कोई संविधान था।

आज हम पूर्ण स्वतंत्र हैं तथा पूरे विश्व में भारत की एक पहचान हैं। हमारा संविधान आज पूरे विश्व में एक मिसाल है। जिसमें समस्त देशवासियों को समानता का अधिकार है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज भी प्रेम, भाईचारे व एकता का प्रतीक है। भारत वर्ष के महान संविधान रचयिता बाबा साहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर ने संविधान में विशेष रूप से भारत के प्रत्येक नागरिक को आजादी का अहसास कराया है अथवा विशेष अधिकार दिए हैं। जब से हमारा भारत आजाद हुआ है तभी से आर्थिक व तकनीकी रूप से हमारा देश सम्पन्नता की ऊंचाइयों तक पहुंचा है।

आज पूरे विश्व में भारत आशा की किरण बनकर सूर्य की भांति आकाश में चमक रहा है, यह सब आजाद भारत में ही संभव हुआ है। हमें ये आजादी आसानी से नहीं मिली है, इसके लिए देश के शूरवीरों व आजादी के मतवालों ने अपना बलिदान देकर दिलाई है, हमें उनका सदैव आभार मानना चाहिए। आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह सब भारत माता के उन सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपना सर्वस्व देश के नाम कर दिया था। भारत के प्रसिद्ध विद्वानों, कवियों, इतिहासकारों अथवा लेखकों ने भारत का सामाजिक रूप से सुधार करके भारत की आजादी में चार चांद लगाए।

आज भारत पूर्व विश्व में अतुल्य है। सामाजिक कुप्रथाओं का अंत हुआ, गरीबों का आर्थिक शोषण समाप्त हुआ तथा गांवों की दयनीय स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। आज भारत सहित पूरा विश्व आतंकवाद से जूझ रहा है, जो आजादी के नाम पर एक सबसे बड़ा कलंक है। यह तो हम सभी जानते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। कुछ लोग आतंकवाद का चोला पहन लेते हैं तथा निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं, देशवासियों में भय का माहौल पैदा करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप जनता में सरकारी नीतियों व देश के रक्षातंत्र के प्रति भ्रम उत्पन्न होता है। हम सभी भारतीय को चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ एकमत तथा एकजुट होकर सरकार को सहयोग करें।

यह हमारा सौभाग्य है कि हमने भारत की पुण्यभूमि पर जन्म लिया और आजादी के सुंदर वातावरण में सांस ली। देशप्रेम एक पवित्र भाव है जो हर नागरिक में होना अनिवार्य है। कुछ लोग अपने स्वार्थपूर्ति के लिए हमारे पवित्र देश को भ्रष्टाचार की चादर में समेट रहे हैं और देश की भोलीभाली जनता को गुमराह कर रहे हैं। हमें एकजुट होकर ऐसे भ्रष्ट लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है तथा भ्रष्टाचार रूपी रावण का अतिशीघ्र दहन करना चाहिए।

भारत वर्ष को पहले की भांति सोने की चिड़िया बनाना है तथा आजादी का सही अर्थ समझना है, प्रत्येक भारतीय को अपने अधिकारों से ज्यादा अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा, तभी हमारा देश पूरे विश्व में एक महाशक्ति बनकर सामने आएगा। यही हमारा मुख्य ध्येय है। इस आंदोलन में हमारे भारतवासियों ने कई सत्याग्रह आंदोलन किए, लाठियां भी खाईं, कई बार जेल भी गए, और फिर अंग्रेजों को हमारा देश छोड़कर जाने पर मजबूर कर दिया। इस तरह 15 अगस्त 1947 का दिन हमारे लिए स्वर्णिम दिन, इंडिपेंडेंस डे बना। हम, हमारा देश स्वतंत्र हो गए। इसीलिए यह दिन 1947 से लेकर आज तक सभी बड़े उत्साह और प्रसन्नता के साथ मनाते हैं।

भारत माता की जय, हम सब एक हैं, वंदे मातरम।

भारतीय तिरंगे का इतिहास

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना एक ध्वज होता है। यह एक स्वतंत्र देश होने का संकेत है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को इसके वर्तमान स्वरूप में 22 जुलाई 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था, जो 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के कुछ ही दिन पूर्व की गई थी। इसे 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 के बीच भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया और इसके पश्चात भारतीय गणतंत्र ने इसे अपनाया। भारत में ''तिरंगे'' का अर्थ भारतीय राष्ट्रीय ध्वज है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग की क्षैतिज पट्टियां हैं, सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद ओर नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी और ये तीनों समानुपात में हैं। ध्वज की चौड़ाई का अनुपात इसकी लंबाई के साथ 2 और 3 का है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का एक चक्र है। यह चक्र अशोक की राजधानी के सारनाथ के शेर के स्तंभ पर बना हुआ है। इसका व्यास लगभग सफेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर होता है और इसमें 24 तीलियां है।

तिरंगे का विकास

यह जानना अत्यंत रोचक है कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज अपने आरंभ से किन-किन परिवर्तनों से गुजरा। इसे हमारे स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संग्राम के दौरान खोजा गया या मान्यता दी गई। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास आज के इस रूप में पहुंचने के लिए अनेक दौरों में से गुजरा। एक रूप से यह राष्ट्र में राजनैतिक विकास को दर्शाता है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज के विकास में कुछ ऐतिहासिक पड़ाव इस प्रकार हैं:

प्रथम राष्ट्रीय ध्वज 7 अगस्त 1906 को पारसी बागान चौक (ग्रीन पार्क) कलकत्ता में फहराया गया था जिसे अब कोलकाता कहते हैं। इस ध्वज को लाल, पीले और हरे रंग की क्षैतिज पट्टियों से बनाया गया था।

द्वितीय ध्वज को पेरिस में मैडम कामा और 1907 में उनके साथ निर्वासित किए गए कुछ क्रांतिकारियों द्वारा फहराया गया था (कुछ के अनुसार 1905 में)। यह भी पहले ध्वज के समान था सिवाय इसके कि इसमें सबसे ऊपरी की पट्टी पर केवल एक कमल था किंतु सात तारे सप्तऋषि को दर्शाते हैं। यह ध्वज बर्लिन में हुए समाजवादी सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया गया था।

तृतीय ध्वज 1917 में आया जब हमारे राजनैतिक संघर्ष ने एक निश्चित मोड लिया। डॉ.एनी बीसेंट और लोकमान्य तिलक ने घरेलू शासन आंदोलन के दौरान इसे फहराया। इस ध्वज में 5 लाल और 4 हरी क्षैतिज पट्टियां एक के बाद एक और सप्तऋषि के अभिविन्यास में इस पर बने सात सितारे थे। बांयी और ऊपरी किनारे पर (खंभे की ओर) यूनियन जैक था। एक कोने में सफेद अर्धचंद्र और सितारा भी था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र के दौरान जो 1921 में बेजवाड़ा (अब विजयवाड़ा) में किया गया यहां आंध्र प्रदेश के एक युवक ने एक झंडा बनाया और गांधी जी को दिया। यह दो रंगों का बना था। लाल और हरा रंग जो दो प्रमुख समुदायों अर्थात हिन्दू और मुस्लिम का प्रतिनिधित्व करता है। गांधी जी ने सुझाव दिया कि भारत के शेष समुदाय का प्रतिनिधित्व करने के लिए इसमें एक सफेद पट्टी और राष्ट्र की प्रगति का संकेत देने के लिए एक चलता हुआ चरखा होना चाहिए। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था। तथापि यह स्पष्ट रूप से बताया गया इसका कोई साम्प्रदायिक महत्व नहीं था और इसकी व्याख्या इस प्रकार की जानी थी।

22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने इसे मुक्त भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद इसके रंग और उनका महत्व बना रहा। केवल ध्वज में चलते हुए चरखे के स्थान पर सम्राट अशोक के धर्म चक्र को दिखाया गया। इस प्रकार कांग्रेस पार्टी का तिरंगा ध्वज अंततः स्वतंत्र भारत का तिरंगा ध्वज बना।

ध्वज के रंग

भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है।

चक्र

इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता

26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते है। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें। सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए:

क्या करें

- राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है।
- किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।
- नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें

- इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए।
- इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों, नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता।
- किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस में क्या अंतर होता है? कैसे फहराया जाता है झंडा

भारत में हर साल दो राष्ट्रीय पर्व का जश्न मनाया जाता है 26 जनवरी और 15 अगस्त। अधिकतर लोग इन दोनों दिवस को एक ही समझते है या इन दोनों का महत्व उन्हें एक ही लगता है। भारत इस साल 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। चलिए जानते हैं इन दोनों में क्या प्रमुख अंतर होता है....

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त

200 साल की ब्रिटिश गुलामी के बाद भारत 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ था। देश की आज़ादी के रूप में हम हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते है। प्रति वर्ष इस दिवस की थीम भी निर्धारित होती है।

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी

15 अगस्त 1947 में आजादी के बाद भारत के पास अपना कानून नहीं था। भारत के नियम-कानून ब्रिटिश कानून के अनुसार थे। इसलिए आजादी के बाद संबिधान बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया।

26 जनवरी या 15 अगस्त किस दिन होती है परेड आयोजित

15 अगस्त के दिन परेड का आयोजन नहीं होता है। बल्कि 26 जनवरी पर सैनिकों, अर्धसैनिक बलों परेड होती है। इस परेड में अलग-अलग सेवा के सैनिक सुंदर प्रस्तुति करते दिखते हैं। साथ ही आप इस दिन विभिन्न राज्य की सुंदर झांकियां भी देखते हैं।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने में क्या अंतर है?

पहला अंतर: 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडे को नीचे से रस्सी द्वारा खींचकर ऊपर ले जाया जाता है, फिर खोलकर फहराया जाता है, जिसे ध्वजारोहण कहा जाता है, क्योंकि यह 15 अगस्त 1947 की ऐतिहासिक घटना को सम्मान देने हेतु किया जाता है, उस समय प्रधानमंत्री जी ने ऐसा किया था। संविधान में इसे अंग्रेजी में Flag Hoisting (ध्वजारोहण) कहा जाता है।

जबकि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा ऊपर ही बंधा रहता है, जिसे खोलकर फहराया जाता है, संविधान में इसे Flag Unfurling (झंडा फहराना) कहा जाता है।

दूसरा अंतर: 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री जो कि केंद्र सरकार के प्रमुख होते हैं, वे ध्वजारोहण करते हैं क्योंकि स्वतंत्रता के दिन भारत का संविधान लागू नहीं हुआ था और राष्ट्रपति जो कि राष्ट्र के संवैधानिक प्रमुख होते हैं, उन्होंने पदभार ग्रहण नहीं किया था। इस दिन शाम को राष्ट्रपति अपना संदेश राष्ट्र के नाम देते हैं। जबकि 26 जनवरी जो कि देश में संविधान लागू होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, इस दिन संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं।

तीसरा अंतर: स्वतंत्रता दिवस के दिन लालकिले से ध्वजारोहण किया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के दिन राजपथ पर झंडा फहराया जाता है।

चौथा अंतर: पूरे भारत में गणतंत्र दिवस ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के मुकाबले स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा कुछ नहीं होता।

पांचवां अंतर: गणतंत्र दिवस पर देश अपनी सैन्य ताकत और सांस्कृतिक विलक्षणता को दिखाता है।

जबकि स्वतंत्रता दिवस के दिन ऐसा कुछ नहीं होता।

छठा अंतर: 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के दिन समारोह में मुख्य अतिथि आते हैं। जबकि स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा नहीं होता है।

सातवां अंतर: 26 जनवरी और 15 अगस्त दोनों ही राष्ट्रीय पर्व हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कहा जाता है और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कहा जाता है।

आज बदला रहेगा शहर का ट्रैफिक

सुबह छह से रात 10 बजे तक शहर में भारी वाहनों की नो इंट्री

PHOTON NEWS RANCHI : स्वतंत्रता दिवस को लेकर शहर के ट्रैफिक सिस्टम और रूट दोनों में बदलाव किया गया है। पुलिस की ओर से इसे लेकर पूरा रूट चार्ट जारी किया गया है। इस रूट चार्ट के अनुसार मंगलवार को सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक शहर में भारी वाहनों की नो इंट्री होगी। ऐसे में भारी वाहनों के लिए रूट क्या होगा, इसकी जानकारी भी दी गयी है। शहर के सात ऐसे प्वाइंट हैं, जहां बड़े वाहनों को रोकने के लिए बैरिकैडिंग की गयी है। वहीं मोरहाबादी स्थिति कार्यक्रम स्थल में जाने के रास्ते पर 15 जगहों पर ड्रापिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। ट्रैफिक एसपी हारिश बिन जमा ने इससे संबंधित आदेश जारी किया है।

उपेंद्र सिंह हत्याकांड के दोषियों को उम्रकैद की सजा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय परिसर में 30 नवंबर 2016 को झामुमो नेता सह ट्रांसपोर्टर उपेंद्र सिंह की हत्या के दोषी सोनू सिंह और विनोद सिंह उर्फ मोगली को कोर्ट ने सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। एडीजे 1 संजय कुमार उपाध्याय ने दोनों को सजा सुनाई। इसके पूर्व 5 अगस्त को कोर्ट ने मामले के आरोपी अखिलेश सिंह, अजय श्रीवास्तव, संजय उर्फ जोजो, पंकज सिंह, जसबीर सिंह और बलबीर सिंह को बरी कर दिया था। वहीं सोनू सिंह और विनोद को दोषी करार दिया था। आरोपी हरीश सिंह के खिलाफ अलग से मामला चल रहा है। मामले में कुल 21 लोगों की गवाही हुई थी। आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता विद्या सिंह और प्रकाश झा ने बहस की थी। बता दें कि 30 नवंबर 2016 को जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय के बार एसोसिएशन भवन के दूसरे तल्ले पर अपराधियों ने उपेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई थी।

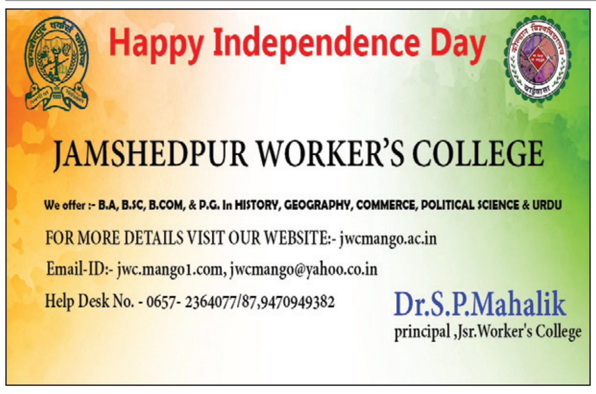

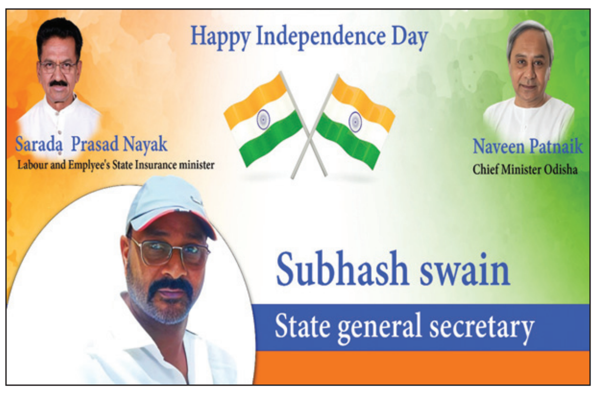

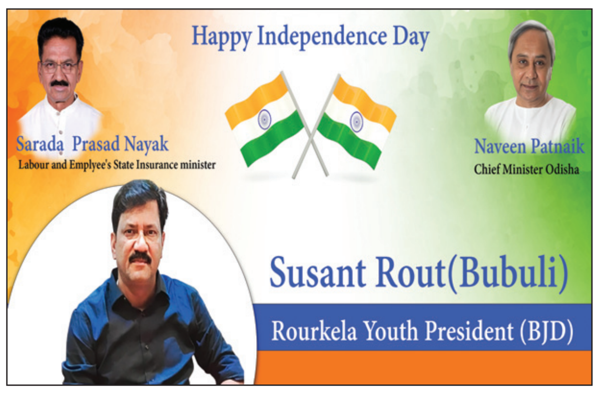

अमेरिका में निक जोनस का शानदार शो,

परफॉरमेंस देख-कर भावुक हुईं प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड से हॉलीवुड स्टार बनने का सफर तय करने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपने पति और अभिनेता निक जोनस का हौसला बढ़ाने का एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। शनिवार रात भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब अभिनेत्री अपने पति का समर्थन करने उनके कॉन्सर्ट में पहुंची। सिर्फ इतना ही नहीं कॉन्सर्ट के दौरान अभिनेत्री को भावुक होते भी देखा गया। इस दौरान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं, जो लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं।

शनिवार को अमेरिका में जोनस ब्रदर्स ने एक कॉन्सर्ट था, जिसमें उन्होंने धमाकेदार परफॉरमेंस दी। हमेशा की तरह प्रियंका चोपड़ा अपने पति का हौसला बढ़ाने के लिए स्टैंड में मौजूद नजर आईं। अभिनेत्री के स्टेडियम पहुंचते ही फैंस ने उन्हें घेर लिया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद है। इसके अलावा एक और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें स्टैंड में खड़ी प्रियंका अपने पति निक जोनस की परफॉरमेंस देखकर भावुक हो गयी है और रुमाल से अपने आंसू पूछती नजर आ रही है। निक की परफॉरमेंस देखकर सिर्फ प्रियंका ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया यूजर्स भी भावुक हो गए हैं।

सनी देओल ने फिल्म पसंद ना करने वालों से मांगी माफी

फिल्म गदर 2 के निर्माता एवं एक्टर सनी देओल का एक पोस्ट वायरल हो रहा है जो उन्होंने 11 अगस्त की सुबह सोकर उठने के बाद किया था। उन्होंने इस पोस्ट में सनी देओल ने फिल्म पसंद न करने वाले लोगों से माफी मांगी है और प्यारभरा मैसेज दिया है। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वह बोलते दिख रहे हैं, नमस्ते आप सबको। मैं बस उठा ही हूं और चाहता हूं कि आप सबसे बात करूं। क्यों इतने दिनों से मैं घूम रहा हूं चारों तरफ, आप लोगों से इंटरैक्ट कर रहा हूं। और मुझे पता है कि आप तारा सिंह और सकीना के परिवार को बहुत प्यार करते हैं। इसका इंतजार कर रहे थे। और आप उस परिवार को देखने जा रहे हैं। बस यही कहूंगा कि यह परिवार वैसा ही है जैसे आपने छोड़ा था। वही प्यारा सा परिवार है। आप जब देखने जाएंगे, मिलने जाएंगे उन्हें तो आप बहुत खुश होंगे।

गलती से अगर किसी को यह परिवार पसंद नहीं आया तो झगड़िए मत, माफ कर दीजिए। क्योंकि दिल में सिर्फ प्यार होना चाहिए और वो सिर्फ परिवारवाले ही जानते हैं। बता दें कि गदर 2 से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। फिल्म की तगड़ी अडवांस बुकिंग हुई और उम्मीद की जा रही है कि पहले दिन का कलेक्शन रिकॉर्ड ब्रेकिंग हो सकता है। इस बीच ट्विटर पर कुछ लोगों ने लिखा है कि फिल्म गदर एक प्रेमकथा जैसी दमदार नहीं है।

वहीं कई लोग थिएटर के माहौल को एंजॉय कर रहे हैं। अब तक सामने आ रही पॉजिटिव चीजों में सनी देओल और मनीष वाधवा की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स ये भी हैं कि फर्स्ट हाफ में सनी देओल की जगह उत्कर्ष शर्मा को ज्यादा स्क्रीन टाइम दिया गया है। बता दें कि सनी देओल की मच अवेटेड फिल्म गदर 2 रिलीज हो चुकी है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर तरह-तरह के चर्चे हैं। कुछ लोग फिल्म को ब्लॉकबस्टर लिख रहे हैं तो कुछ को गदर 2 बोरिंग लग रही है।

अभिनेत्री शबाना आज़मी ने इंडियन फिल्म ऑफ मेलबर्न 2023 में तिरंगे फहराते हुए भारतीय स्वतंत्रता दिवस मनाया

सिनेमाई प्रतिभा और सांस्कृतिक महत्व की प्रतीक शबाना आज़मी ने ऑस्ट्रेलियाई धरती को भारत की समृद्ध विरासत के प्रतीक तिरंगे से रोशन किया। मौका था प्रतिष्ठित इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2023 का, जहां प्रतिष्ठित अभिनेत्री ने तिरंगा फहराया। शबाना आज़मी आर.बाल्की की बहुप्रतीक्षित फिल्म घूमर में स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जिसका फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ। जैसे ही मेलबर्न की आकाश रेखा पर तिरंगा फहराया गया, उपस्थित लोगों में देशभक्ति और एकता की साझा भावनाएँ से गूंज उठीं। समारोह पर टिप्पणी करते हुए, शबाना आज़मी ने कहा, फ्भारतीय ध्वज फहराने का यह सम्मान प्राप्त करना, वह ध्वज जिस पर मुझे बहुत गर्व है, वह ध्वज जिस पर आज हम सभी मौजूद हैं और मेलबर्न में गर्व महसूस करते हैं, यह एक ऐसा सम्मान है जिस की मैने कल्पना भी नहीं की थी। मैं दोहराना चाहूंगी कि हम मेलबर्न में भारतीय सिनेमा का जश्न मनाने के लिए यहां आए हैं, और मुझे सच में विश्वास है कि कला की कोई सीमा नहीं होती और सिनेमा सामाजिक परिवर्तन का एक साधन हो सकता है।' इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2023 वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा की जीवंतता और विविधता को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है और यह महोत्सव 11 अगस्त को शुरू हुआ और 20 अगस्त को समाप्त होगा।

सुष्मिता सेन डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।सुष्मिता सेन की तबीयत खराब होने की वजह से वह कॉन्वोकेशन में शामिल नहीं हो पाईं। उनके पिता सुबीर सेन ने स्टेज पर जाकर बेटी का सम्मान हासिल किया। सुष्मिता सेन ने कॉन्वोकेशन से जुड़ा एक वीडियो शेयर कर कहा कि यह हमेशा से उनके पिता का सपना था। उन्हें स्टेज पर सम्मान पाता देख सुष्मिता को बेहद खुशी हुई है। वीडियो में एक्ट्रेस कह रही हैं- नमस्कार, आप सभी से माफी मांगना चाहूंगी, क्योंकि मैं इस कॉन्वोकेशन का हिस्सा नहीं बन सकी। वाकई, मैं आप सभी से सामने से मुलाकात करना चाहती थी। वायरल के चलते डॉक्टर ने मुझे रेस्ट करने की सलाह दी थी, जिस वजह से मैं सम्मान समारोह का हिस्सा नहीं बन पाई। वीडियो सुष्मिता सेन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर खुशी जाहिर की है।

पर्पल बिकिनी में समंदर किनारे मस्ती कर रही थी चैंटेल

हॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस चैंटेल जेफीज़ सोशल मीडिया पर अक्सर अपने लुक्स को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस को मियामी में समंदर किनारे चिलकती धूप में मस्ती करते देखा गया, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 30 की चैंटेल पर्पल बिकिनी में समंदर के पानी में आग लगाती दिखीं। टू-पीस में एक्ट्रेस का बेहद बोल्ड अंदाज देखने को मिला। चिलकती धूप में बिकिनी पहने एक्ट्रेस जमकर मस्ती करती दिखीं। बदन पर पानी और भीगे बाल देख फैंस एक्ट्रेस की हॉटनेस के खूब दीवाने हो रहे हैं। बता दें, चैंटेल जेफीज़ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने पोस्ट्स के जरिए फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं।

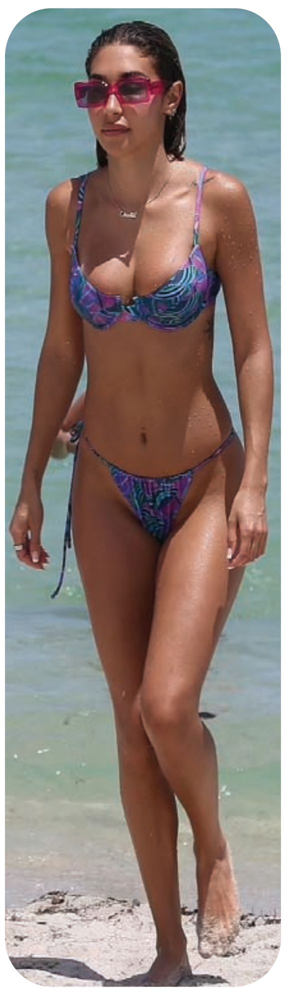

यामी गौतम बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार

बालीवुड के खतरों के खिलाड़ी यानि अक्षय कुमार स्टारर फिल्म ओएमजी 2 के साथ एक्ट्रेस यामी गौतम बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। यामी गौतम फिल्म को लेकर काफी उत्साहित है, क्योंकि महामारी के बाद उनकी यह पहली फिल्म है। यामी की अपकमिंग फिल्म ओएमजी 2 बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। महामारी की चपेट में आने से पहले, एक्ट्रेस ने बाला, काबिल, उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी बड़ी हिट फिल्मों में काम किया था। एक्ट्रेस ने कहा, 3 साल के बाद थियेट्रिकल रिलीज होने पर वास्तव में खुशी महसूस हो रही है। महामारी के बाद बड़े पर्दे पर यह मेरी पहली फिल्म है, और मैं इसके लिए ज्यादा उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा, बड़े पर्दे पर खुद को देखने का असली एहसास शानदार है। ओएमजी 2 की शूटिंग करना एक अद्भुत अनुभव था और मैं यह देखकर वास्तव में रोमांचित हूं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है।

रजनीकांत की धमाकेदार एंट्री पर प्रशंसक हुए बेकाबू

फिल्म जेलर में सुपरस्टार रजनीकांत की धमाकेदार एंट्री पर उनके प्रशंसक बेकाबू हो गए। प्रशंसकों को संभालने के लिए मुंबई के एक थिएटर में फिल्म का प्रदर्शन रोकना पड़ा। मालूम हो कि फिल्म की कहानी मुथुवेल पांडियन पर आधारित है, जो एक साधारण दिखने वाला पारिवारिक व्यक्ति और पूर्व जेलर है। वह जेल में खूंखार गैंगस्टर से निपटते हैं। थिएटर में मौजूद एक प्रशंसक ने वीडियो बनाया, जिसे उसने एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट किया। इसमें दिखाया गया कि स्क्रीन पर 72 वर्षीय स्टाइलिश सुपरस्टार की एंट्री से लोग अचानक खड़े हो गए और जोर-जोर से तालियां बजाना शुरू कर दिया, जिसके बाद फिल्म अचानक रोक दी गई। दक्षिण भारतीय सिनेमा ने हाल के वर्षों में हिंदी बेल्ट में काफी लोकप्रियता हासिल की है, हालांकि मुंबई के एक थिएटर में उनके लिए ऐसा प्यार देखने लायक था। फिल्म में जैकी श्रॉफ, मोहनलाल, राम्या कृष्णन और तमन्ना भाटिया जैसे अन्य बड़े सितारे भी होने के कारण जेलर ने खूब सराहना बटोरी।

बटोहिया : भोजपुरी भाषा का राष्ट्रगीत

वो साल था 1912 का, मौका था बिहार के चम्पारण में बिहारी स्टूडेंट कॉन्फ्रेंस के सम्मेलन के आयोजन का। देश के भावी राष्ट्रपति राजेन्द्र बाबू, बिहार के होने वाले पहले मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह जैसे बिहार के अग्रणी नेता लोग देश के सामाजिक उत्थान और बौद्धिक विकास के लिए अपनी आवाज बुलंद कर के छात्रों में जोश उमंग भर रहे थे। उसी समय छपरा का एक युवा कवि और शिक्षक अपनी कानून की पढ़ाई पूरी कर अपनी माटी के लिए कुछ करने को मन में जोश लिए उस गोष्ठी में शामिल हुआ, नाम था ' रघुबीर नारायण'। रघुबीर बाबू द्वारा अंग्रेजी में लिखी गई बेहतरीन रचनाएं पहले ही प्रसिद्धि पा चुकी थीं ,उनके इस कौशल की बानगी उस स्टूडेंट कांफ्रेंस में भी दिखी, जब उनके द्वारा रचे गए एक गीत को श्री बाबू (श्रीकृष्ण सिंह) के भाई गोपी कृष्ण अपने मधुर कंठ से गाने लगे........आहा! क्या गीत था वह, उस गोष्ठी में बैठे लोगों को समूचे भारत का दर्शन होने लगा था। पूरी सभा उस गीत की ऊर्जा से भर गई थी, क्या बच्चे ,क्या बूढ़े सभी लोग उस गीत पर झूमने लगे थे,वो गीत था- 'बटोहिया' भोजपुरी का पहला राष्ट्रीय गीत। इस गीत में इतनी ताकत थी कि सुनने वालों के रोम-रोम में देशभक्ति की भावना का संचार अपनेआप ही हो जाता था ,आंखों से अश्रु की धारा बहने लगती और मन उस गीत के लय और ताल पर झूमने पर मजबूर हो जाता। पूरे देश में इस गीत को बहुत प्रसिद्धि मिली। समूचे देश का दर्शन कराने वाला यह गीत जब गांधी जी के कानो में पहुंचा ,तब वो अनायास ही बोल उठे अरे! यह तो भोजपुरी का वंदे मातरम् है। बटोहिया के तर्ज पर तमाम गीत फिरंगिया, जुलमिया, दारोगवा, वकीलवा, जलिमवा जैसे गाने लिखे गए जो तब अंग्रेजी हुकूमत के दमन का शिकार हो गए, लेकिन बटोहिया की गूंज अपने उसी तेवर में बनी रही.... जो आज भी बरकार है। बटोहिया में भोजपुरी के साथ ही साथ अपने देश की आत्मा बसी हुई है,हमारे गौरवशाली इतिहास और परंपरा का जीवंत चिट्ठा है बटोहिया, जिसको गाते, गुनगुनाते सीना अपने आप ही चौड़ा हो जाता है, गर्व, गुमान और माथे पर तेज आ जाता है। अपनी भाषा की थाती और बाबू रघुबीर नारायण सिंह की इस अनमोल, अद्वितीय कृति को सम्मान करते हुए 'यायावरी वाया भोजपुरी' एक नए अंदाज में बटोहिया को सामने लेके आया है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हमारे इस नवीन प्रयास को सराहें और अपनी माटी के उस गूंज को याद करें जो आजादी के लड़ाई में हमारे पुरखों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पुरजोर तरीके से उठाई थी।

सुधीर कुमार मिश्र, गोरखपुर

ब्लड कैंसर लाइलाज नहीं, सम्पूर्ण इलाज है संभव : डॉ राहुल भार्गव

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : ब्लड कैंसर आज के समय में सवास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी चुनौती बन कर उभरा है। इसके लक्षण, इलाज एवं भ्रांतियों से जुड़ें तमाम मुद्दो पर हमारे लिए अनुराग रंजन ने फोर्टिस गुरुग्राम के मशहूर ब्लड कैंसर विशेषज्ञ डॉ. राहुल भार्गव जी से विशेष बातचीत की। पेश है वह बातचीत..

सवाल: ब्लड कैंसर क्या है?

उत्तर: ब्लड कैंसर में हमारे शरीर में लाल खून, पीला खून और सफेद खून ज्यादा बनने लगता है और मरता नहीं है। देखिये, कितनी बड़ी विडंबना है कि एक सेल एक दिन मरना छोड़ देता है तो हमारा मरण हो जाता है। तो, इसी प्रक्रिया को ब्लड कैंसर कहते हैं। और आज बहुत सारे लोगों को इस बारे में गलतफहमी है कि ब्लड कैंसर मृत्यु का संदेश होता है। हम आज 2023 में हैं और मैं आपके चैनल को धन्यवाद देता हूँ कि जो भोजपुरी में इतना अच्छा काम कर रही है और वहां तक ये बात पहुंचा रही है कि ब्लड कैंसर लाइलाज नहीं है। ब्लड कैंसर हमारे रक्त कोशिकाओं के ज्यादा बनने से उत्तपन परेशानी को ब्लड कैंसर बोलते हैं। टेक्नोलोजी ने आज ब्लड कैंसर पर फतह पाई है।

सवाल: पूर्वाञ्चल के क्षेत्र में ब्लड कैंसर ही नहीं सम्पूर्ण कैंसर को लेकरबहुत सारी भ्रांतिया है? इसको कैसे दूर किया जा सकता है?

उत्तर: देखिये, बहुत साधारण सी बात है कि पूर्वाञ्चल में हम अपने रोटी कपड़ा मकान से जब बाहर निकल रहे हैं, देश से विदेश से टेक्नोलोजी कि बात यहाँ तक नहीं पहुंची हैं। तो, लोगों के ये लगता है कि आज भी हम 1960-70 के दशक में हैं कि केंसर हुआ तो मृत्यु हो जाएगी। केंसर हुआ तो बहुत महंगी दवाई लगेगी या ऐसी किमोथेरेपी लगेगी जिससे मेरे बाल चले जाएंगे। परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। नहीं दोस्तों, ऐसा 2023 में नहीं होता है। आज केंसर लाइलाज नहीं है। 0 से 70% तक हम इलाज कर सकते हैं पर जरूरत है आपको आगे बढ़ कर आने की। कोई गांठ हैं शरीर में, कोई बुखार आ रहा है, कमजोरी हो रही है तो ये केंसर के लक्षण हो सकते हैं। इनको छुपाइए मत। दूसरी चीज़ केंसर किमोथेरेपी सस्ती हो चुकी है। दोस्तों जो हमे लगता था कि 1 लाख रुपैया लगेगा, मेरे को अपनी जमीन बेचनी पड़ेगी। साहूकार से पैसा लेना पड़ेगा। ऐसा कुछ नहीं है। हमारी फ्किचरो में ऐसा होता था, आज 2023 में ऐसा कुछ नही होता है। केंसर किमोथेरिपी आयुष्मान भारत कार्ड से होता है, हर सरकार भले ही उत्तर प्रदेश सरकार हो या बिहार सरकार हो चाहे झारखंड सरकार हो। वो सब प्रेरित है अपने नागरिकों को केंसर का सस्ता एवं अच्छा इलाज दिलाने के लिए और वो हो हो रहा है। तीसरी महत्वपूर्ण बात कि आज के तारीख में केंसर किमोथेरिपी 50 से 60% लोगों को ओरल गोली के माध्यम से ठीक हो जाती है। सोचिए, कितनी बड़ी बात है कि ऐसी गोली जो आप घर के बैठ के खा सकते है, जिससे ना बाल गिरेंगे, ना उल्टी होगी, ना दस्त होंगे। ना आप परेशान होंगे। वो बातें चली गई जब बाल गिर जाया करता था, परेशान हुआ करते थे। अस्पताल में लंबा समय बिताना पड़ता था। पूरा परिवार तहस-नहस हो जाता था। वो सबी बीते समय कि बात हो गई। भूली-बिसरी, पुरानी बातें हो गई। आज मेरा पूर्वाञ्चल के लोगों से यही कहना है कि कोई सिम्प्टम हो, केंसर सोचिए। क्योकि, हम केंसर को स्टेज 1, स्टेज 2 पर 80-90% लोगों को ठीक कर सकते है। मतलब, जड़ से हटा सकते है। जिस प्रकार से इस क्षेत्र ने इतने सारे राजनेता, इतने आईएएस दिये है, इतने कलाकार दिये है। अब जरूरत है।, इसी बात को आगे ले जाने के लिए कि घर-घर तक ये संदेश पहुंचाना है कि केंसर और उसमे भी ब्लड केंसर लाइलाज नहीं है। उसका इलाज संभव है। गोरखपुर में, बिहार में, झारखंड में, अपने गांव में, अपने आसपास इलाज संभव है। इसके इलाज का लाभ उठाइये। लाभ उठा के अपने आप को सव्स्थ बनाइये। और 2030 में इस देश के नवनिर्माण में अपना सहयोग दीजिए।

सवाल: आप दिल्ली में ब्लड केंसर के इलाज के लिए बड़े नाम हैं, आप गोरखपुर अक्सर आते रहते हैं, आपसे अगर कोई इलाज कराना चाहता है तो आप उसके लिए आप गोरखपुर में कब-कब उपलब्ध रहते हैं?

उत्तर: मैं हर दूसरे शनिवार को गोरखपुर में सिटी हॉस्पिटल में आता हूँ, यहाँ पे आके अपना इलाज कर सकते है, यहाँ जांच हो सकती है। तो आपको हर बार दिल्ली बॉम्बे भागने कि जरूरत नहीं है। पूर्वाञ्चल के लोग जैसे ही ब्लड केंसर होता है दिल्ली बॉम्बे भागने लगते है। नहीं, आज गोरखपुर में सिटी हॉस्पिटल में, पोद्दार केंसर अस्पताल में इलाज सक्षम हैं। उसी प्रकार, पटना में महावीर केंसर अस्पताल में सक्षमता से केंसर का इलाज हो रहा है। आपके घर के पास आज आसानी से इलाज उपलब्ध है, आपको बस अपने घर से उस डॉक्टर तक, अस्पताल तक पहुँचने की जरूरत है। क्योंकि हम जानते है कि अगर आपका सहयोग रहेगा, आपका साथ रहेगा तो इस विकास की दर में, इस ठीक होने की दर में इजाफा कर पाएंगे। मेरे पास अपना इलाज कराने के लिए आप विकास स्वरूप जी से उनके नंबर 9911614876 पर संपर्क कर सकते हैं। अपना नंबर लगा सकते हैं।

सवाल: आमतौर पर माना जाता है कि पूर्वाञ्चल के लोग स्वास्थय लो लेकर थोड़े उदासीन होते है, ऐसे में बतौर डॉक्टर आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

उत्तर: हेयल्थ्केयर में कोविड के बाद से वाटरशेड एरिया है जहां पर लोग प्रेरित होते जा रहे है, उसी प्रकार से मेरा आप लोगो से निवेदन है कि पूर्वाञ्चल के लोग आज अपने सवास्थ्य को लेकर जागरूक हो रहे है, होते जा रहे है। मैं तीन साल से गोरखपुर आ रहा हूँ और मैं देख रहा हूँ कि लोगो को प्लटेलेट पता है, हेमोग्लोबिन पता है। तो जागरूरक्ता फैल रही है। आज विकास की दर केवल दिल्ली बॉम्बे में नही है। पूर्वाञ्चल में भी तेजी से वो आगे बढ़ रही है। तो, विश्वास रखिए कि दिल्ली बॉम्बे आप भले ना जा पाये वहां के डॉक्टर आज गोरखुर और पटना जैसे शहर में उपलब्ध है। उनका फायदा उठायइये। और जल्द से जल्द इलाज कराकर सव्स्थ होइये।

स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों ने बनाए चित्र

आकांक्षा उपाध्याय द्वारा बनाया गया खुबसुरत चित्र।

आकांक्षा उपाध्याय,कक्षा 9, रैम्पस स्कूल, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

दिव्यांश मणि त्रिपाठी द्वारा बनाया गया चित्र।

दिव्यांश मणि त्रिपाठी, कक्षा 5, लिटिल फ्लॉवर स्कूल, जमशेदपुर, झारखंड।

परमब्रत दत्ता द्वारा बनाया गया खुबसूरत चित्र।

परमब्रत दत्ता, कक्षा 5, लिटिल फ्लॉवर स्कूल, जमशेदपुर, झारखंड।

BRIEF NEWS

फाइन आर्ट की छात्राओं ने फेस पेंटिंग से जताया देश प्रेम

DHANBAD : पार्क मार्केट स्थित इंडियन स्कूल ऑफ फाइन आर्ट द्वारा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर फेस पेंटिंग का आयोजन किया गया। संस्थान के बच्चों ने एक-दूसरे के चेहरे पर तिरंगा बनाकर देश के प्रति अपना प्रेम दशार्या। इंडियन स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों में शामिल दीपिका कुमारी, अनुश्रेया मंडल, नेहा कुमारी और सोनाली कुमारी ने एक एक दूसरे के चेहरे पर अलग-अलग डिजाइन का तिरंगा बनाकर अपनी प्रतिभा का भी प्रदर्शन किया। प्राचार्य राणा बनर्जी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा फेस पेंटिंग का आयोजन किया जाता है।

बोकारो थर्मल में निकाली गई 10 किलोमीटर की तिरंगा यात्रा

BOKARO : स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बोकारो थर्मल में विहिप व बजरंग दल ने अलग-अलग 10 किमी तिरंगा यात्रा निकाली। 500 मीटर लंबे तिरंगा के साथ निकाली गई यात्रा में हजारों लोग सहित सीआईएसएफ के जवान शामिल हुए। यह यात्रा बोकारो थर्मल के हर गली, हर चौक से गुजरी, जिसमें विहिप, बजरंग दल के कार्यकर्ता सहित सीआईएसएफ के जवान तिरंगा लेकर चल रहे थे। बच्चे, बूढ़े, महिला और युवा सभी वर्ग के हजारों लोग इसमें शामिल थे। आरएसएस के अशोक दास व विहिप के विनय कुमार ने कहा कि हमारे देश की शान तिरंगा है। इस आयोजन में प्राण गोपाल सेन, दीपक वर्मा, सौरव कुमार सिंह, गौरी कुमारी तुरी, विश्वजीत समादार, महेश साव, पप्पू साव, मन्टू कुमार, भूपेन कुमार, श्रेयस भारद्वाज, पिन्टु कुमार, अंकित पंडित के अलावा सीआइएसएफ के यूनिट कमांडर बिरेन कुमार सेठी, प्रशांत कुमार प्रसून, विक्रम सिंह, सीबी सिंह, कपिल भैरा, ओमप्रकाश यादव, के शर्मा, एसके चौधरी, एके तिवारी, मंजू पोकन, एसके चौरसिया, हैदर अली, सतन कुमार, ए राजा, के सुरेश, पंडित निलेश, अतुल बी, एस कपिल सहित अन्य जवान शामिल थे।

भुवनेश्वर-एक्सप्रेस को केंद्रीय रेल मंत्री ने दिखाई हरी झंडी, वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से है लैस

PHOTON NEWS ROURKELA: केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ओडिशा के खोरधा में ट्रेन प्रबंधन केंद्र का उद्घाटन किया और तेजस रैक के साथ भुवनेश्वर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। भुवनेश्वर-राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन के मौजूदा रैक को अत्याधुनिक सुविधा से लैस तेजस रैक में बदल कर रेलवे ने ट्रायल रन किया है। तेजस रैक से सुसज्जित भुवनेश्वर-राजधानी ट्रेन के ट्रायल रन का शुभारंभ सोमवार को भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन से किया गया। ट्रेन के रैक में बदलाव से यात्रियों को भुवनेश्वर से दिल्ली के सफर का सुखद अनुभव होगा। ट्रेन की रफ्तार 160 किलोमीटर प्रतिघंटे है। भुवनेश्वर से दिल्ली जाने के क्रम में यह ट्रेन टाटा नगर रेलवे समेत कुल 13 रेलवे स्टेशन (कटक, भद्रक, बालासोर, हिजली, टाटानगर, मूरी, बोकारो स्टील सिटी, गोमो, कोडरमा, गया, दीन दयाल उपाध्याय, प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल, नयी दिल्ली) पर रुकेगी। ट्रायल रन के बाद अत्याधुनिक तेजस रैक वाले ट्रेन में सफर का आनंद टाटा नगर रेलवे स्टेशन से जुड़े लोग भी उठा सकेंगे। हालांकि, रेलवे पटरी पुराना होने के कारण झारखंड में इस ट्रेन की स्पीड 160 किमी की जगह 130 किमी प्रतिघंटा होगी। अत्याधुनिक तेजस रैक के सभी कोच का दरवाजा ऑटोमेटिक सिस्टम से सुसज्जित है। रैक का सभी दरवाजे सेंट्रलाइजिड सिस्टम से जुड़े हैं।

शहीद वीर सपूतों को दी गई श्रद्धांजलि

LATEHAR : प्रखंड के दुरूप पंचायत के अमृत सरोवर, कुटुदेरी में मेरी माटी–मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में देश की रक्षा के लिए वीरगति को प्राप्त हुए पंचायत के शहीद सपूतों का श्रद्धाजंलि दी गयी। मौके पर झंडोत्तोलन किया गया।

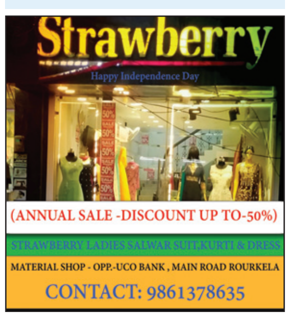

साहित्य

स्वतंत्रता दिवस

आओ न, हम भी पन्द्रह अगस्त
मनाएं,
सब मिलजुल कर स्वतंत्रता का
जश्न मनाएं।
हमारे आन–बान और शान का
प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा नील
गगन में लहरायें,
'हर घर तिरंगा' अभियान चलाएं।
आजादी के अमृत महोत्सव में,
मेरी माटी मेरा देश को सार्थक बनाएं
पूरे देश को नयी उर्जा से भरकर,
एक नयी ऊँचाई पर ले जाएं।
बदलेंगे अँग्रेजों के जमाने के आपराधिक कानून ,
अपनी मेधा को मनवाने का है अब जुनून।
खुद की विरासत पर नाज है ,
तो कुर्बानियाँ देने वाले शहीदों को भी न भुलायें,
मुफलिसी में जी रहे उनके वंशजों
को भी आगे बढ़ाये।
संगठित शक्ति होकर, देश, संविधान
और जन तन्त्र को बचायें,
विश्वपटल पर ज्ञान–विज्ञान का
परचम लहरायें ।
लक्ष्मी, सुभाष, आजाद के साथ
गुमनाम शहीदों की भी गाथा गाएं।
क्रूरता पर अंकुश लगा कर,
सामूहिक प्रतिरोध से, मणिपुर जैसी
हिंसा फिर न दुहराएं,
कहें 'उमा' इस बार ऐसे ध्वज
फहरायें ,
सम्पूर्ण मानव जाति के साथ आधी आबादी को भी
आजादी दिलाएं,
अत्याधुनिक नया भारत बनाएं।

डॉ. उमा उपाध्याय
(गोरखपुर) उ.प्र.

दिल में थी एक ही आस...

आवर्त्यमान
कक्षा 7, लिटिल फ्लॉवर स्कूल, जमशेदपुर, झारखंड

एक मीठी कहानी थी,
बुजुर्गों की जुबानी थी
दहक रही थी दिल की आग
आजादी को दहाड़ा था बाघ।
मॉ के पुत्रों ने जब लिया ठान
दांव पर लगा दी अपनी आन
बान शान
दिल में थी एक ही आस
देश का नाम जपे हर सांस
शांति का मार्ग जिसने चुना
बंदूक की जगह चरखा चुना
जला दी खून की आखिरी बूंद
आजादी को लिया ढूंढ।
क्रांति शांति का जोश मिला कर
अपने सुख को कहीं भुलाकर
तिरंगे का परचम लहराया
भारत को स्वतंत्र कराया।
आओ मिलकर याद करे
उन सैलानियों को,
जिसके बल पर ताज मिला
भारत मॉ को।
जय हिंद जय भारत